सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"सभी अनुभवों का अपने जीवन में स्वागत कीजिए, पता नहीं कौन सा अनुभव आपकी जिंदगी बदल दे।।...!!"
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–123 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 23 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

अब घर बैठे मिलेंगी 441 से ज्यादा सरकारी सेवाएं, लोक सेवा केंद्र बने सेवा सेतु

ई–डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर आय, जाति, विवाह प्रमाण–पत्र सहित सभी सेवाएं ऑनलाइन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छग शासन ने लोक सेवा केंद्रों को सेवा सेतु केंद्रों के रूप में उन्नत कर दिया है। अब नागरिकों को 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर मिलेंगी। ई–डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के जरिए लोग घर बैठे ही इन सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

गांवों में भी मिल रहा विवाह प्रमाण–पत्र

ई–जिला प्रबंधक श्रुति अग्रवाल ने बताया कि अब ग्राम पंचायतों में भी ऑनलाइन विवाह प्रमाण–पत्र बनाए जा रहे हैं। आय, जाति, निवास प्रमाण–पत्र, नाम परिवर्तन के लिए राजपत्र अधिसूचना, विवाह प्रमाण–पत्र, भू–नकल समेत 441 से अधिक सेवाएं सेवा सेतु पोर्टल पर उपलब्ध हैं। सभी सेवाओं के लिए समय–सीमा भी तय है।

86 से बढ़कर 441 हुई सेवाएं

पहले ई–डिस्ट्रिक्ट प्लेटफॉर्म पर केवल 86 सेवाएं मिलती थीं। अब इसका उन्नत संस्करण सेवा सेतु तैयार किया गया है जिसमें 441 से ज्यादा सेवाएं जोड़ी गई हैं। इनमें 54 नई सेवाएं शामिल हैं और

329 री–डायरेक्ट सेवाओं का एकीकरण किया गया है। 30 से अधिक विभाग इस प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं।

दफ्तरों के चक्कर खत्म

पहले अलग–अलग विभागों की सेवाओं के लिए नागरिकों को कई दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। प्रमाण–पत्र बनवाने में समय और पैसा दोनों खर्च होता था। सेवा सेतु ने वन स्टॉप सॉल्यूशन देकर इस व्यवस्था को बदल दिया है। अब ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोग भी कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र या इंटरनेट से आवेदन कर रहे हैं।

आय प्रमाण–पत्र की सबसे ज्यादा मांग

प्रमाण–पत्रों में सबसे ज्यादा मांग आय प्रमाण–पत्र की है। इसके अलावा मूल निवास, ओबीसी, एससी–एसटी प्रमाण–पत्र, नाम परिवर्तन, विवाह प्रमाण–पत्र और भू–नकल सेवाओं का भी बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है। श्रुति अग्रवाल ने नागरिकों से ऑनलाइन माध्यम से सेवा सेतु की सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

फेस्टिवल एडवांस 5000 से बढ़ाकर एक माह के बेसिक–डीए के बराबर करे सेल : बीएकेएस

निदेशक कार्मिक को लिखा पत्र, कहा–2008 से 5000 पर अटका है एडवांस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात कामगार संघ (बीएकेएस) ने सेल प्रबंधन से फेस्टिवल एडवांस की राशि 5000 से बढ़ाकर एक माह के बेसिक और डीए के बराबर करने की मांग की है। यूनियन ने इस संबंध में सेल के निदेशक कार्मिक को पत्र लिखा है।

5000 में त्योहार कैसे मनाए कर्मचारी : यूनियन के कायर्कारी अध्यक्ष रणधीर कुमार ने कहा कि सेल में फेस्टिवल एडवांस की राशि आखिरी बार अक्टूबर 2008 में संशोधित हुई थी। इतनी कम राशि में कर्मचारी अपने लिए भी कुछ नहीं खरीद पाता, जबकि परिवार में माता–पिता, पत्नी, बच्चे और रिश्तेदारों की जरूरतें अलग होती हैं।

एक दशक से सिर्फ चार तरह के भुगतान : रणधीर कुमार ने कहा कि सेल के गैर–कार्यपालक कर्मियों की सुविधाओं की हालत खराब है। वेतन पर्ची में एक दशक से सिर्फ बेसिक, डीए, पर्क्स और रात्रि पाली भत्ता ही मिल रहा है। बाकी सुविधाएं या तो बंद हैं या संशोधित नहीं हुईं।

अन्य कंपनियों का दिया हवाला : यूनियन ने पत्र में कहा कि कोल इंडिया, नालको, ओएनजीसी, इंडियन ऑयल, एनटीपीसी जैसी महारत्न/नवरत्न कंपनियां अपने गैर–कार्यपालक कर्मियों को सेल के मुकाबले कई गुना ज्यादा ब्याज मुक्त फेस्टिवल एडवांस दे रही हैं।

12 किस्तों में कटौती की मांग : बीएकेएस ने मांग की है कि सेल कर्मियों को एक माह के बेसिक और डीए के बराबर ब्याज मुक्त फेस्टिवल एडवांस दिया जाए और उसकी कटौती 12 समान किस्तों में की जाए।

कर्मियों को बोझ समझने लगी प्रबंधन : रणधीर कुमार ने बयान में कहा, जब प्रबंधन अपने कर्मियों को एसेट की जगह बोझ समझने लगे तो जमीनी हालत खराब होने लगती है। एक तरफ सेल कर्मी 20 मिलियन टन उत्पादन कर रहे हैं, दूसरी तरफ उनकी सुविधाओं पर कई दशक से अघोषित रोक लगी है।

सीएम साय ने कचना रेलवे ओवरब्रिज का किया लोकार्पण, जाम से मिलेगी राहत

48 .78 करोड़ की लागत से बना 787 मीटर लंबा पुल, शंकर नगर–कचना मार्ग का चौड़ीकरण भी हुआ शुरू

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को राजधानी रायपुर में कचना रेलवे ओवरब्रिज का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया। साथ ही 22.79 करोड़ रुपये की लागत से बने शंकर नगर–खम्हारडीह–कचना मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का भी लोकार्पण किया। इससे कचना, खम्हारडीह और आसपास की करीब 25 कॉलोनियों के लाखों लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी।

वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कचना फाटक पर लंबे समय से जाम की समस्या थी। ओवरब्रिज शुरू होने से अब सुगम, सुरक्षित और निर्बाध यातायात मिलेगा। कार्यालय, स्कूल–कॉलेज जाने वाले लोगों और व्यापारियों को बड़ी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि आधारभूत संरचना विकास सरकार की सवोच्च प्राथमिकता है और यह ब्रिज उसी दिशा में अहम उपलब्धि है।

केंद्रीय निधि से बना ब्रिज

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार की केंद्रीय सड़क निधि योजना के तहत इस परियोजना को स्वीकृति मिली थी। उन्होंने केंद्र सरकार, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को समय पर गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए बधाई दी।

787 मीटर लंबा, 13 मीटर चौड़ा

यह ओवरब्रिज 787 मीटर लंबा और 13 मीटर चौड़ा है। 48.78 करोड़ रुपये की लागत से बने इस ब्रिज से रायपुर की यातायात व्यवस्था और मजबूत होगी। इससे बिलासपुर और बलौदाबाजार की ओर आने–जाने वालों को भी सुविधा मिलेगी।

सुशासन तिहार में मिल रहा फीडबैक

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सुशासन तिहार चल रहा है। सरकार रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रख रही है और समाधान शिविरों में सीधे फीडबैक ले रही है। वे खुद गांवों में चौपाल लगाकर समस्याएं सुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियद नेल्लानार 2.0 के तहत अब तक 20 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच हो चुकी है। सरकार 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के विजन पर काम कर रही है।

13 हजार करोड़ की स्वीकृति मिली

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कचना का यह ब्रिज रायपुर और कचना को जोड़ने वाली जीवनरेखा है। प्रदेश में पहली बार लोक निर्माण विभाग को 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति मिली है। रिकॉर्ड संख्या में पुल बनाए जा रहे हैं। द्रुतगामी सड़कों के साथ ऐसे गांवों तक भी सड़क पहुंचाई जा रही है जहां अब तक सुविधा नहीं थी।

लोकार्पण कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, संजय श्रीवास्तव, पार्षद पुष्पा साहू, लोक निर्माण सचिव मुकेश बंसल, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन समेत अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

खेतों से लोहा एंगल और सोलर पैनल चुराने वाले 4 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-उतई

उतई और मचांदुर क्षेत्र में खेतों से लोहा एंगल व सोलर पैनल चोरी करने वाले 4 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के लोहा एंगल, सोलर पैनल, बिजली झटका मशीन और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई है।

रेकी कर देते थे वारदात : पुलिस के अनुसार आरोपी निर्जन स्थानों की रेकी कर मोटरसाइकिल से ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी करते थे। थाना उतई में प्रार्थी डोमार सिंह साहू, ग्राम पुरई और अश्वनी साहू, ग्राम धौंराभाठा ने खेतों से लोहे के एंगल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच में संदिग्ध बाइक क्रमांक उऋ07 उह 3027 के आधार पर आरोपी राजू महिलांगे, 36 वर्ष, निवासी नेवईभाठा और भूपत निर्मलकर, 43 वर्ष, निवासी नेवई बस्ती को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने पुरई व धौंराभाठा में चोरी कबूल की।

सोलर पैनल भी किया बरामद : इधर चौकी मचांदुर क्षेत्र में प्रार्थी वालेश साहू, ग्राम कातरो ने खेत से सोलर पैनल व बिजली झटका मशीन चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने रामकुमार साहू, 30 वर्ष, निवासी चिरपोटी और उसकी पत्नी को हिरासत में लिया। दोनों ने चोरी करना स्वीकार किया। उनके कब्जे से सोलर पैनल व बिजली झटका मशीन जब्त की गई।

खाने-पीने में उड़ाते थे रकम : पुलिस ने बताया कि आरोपी आर्थिक लाभ के लिए चोरी करते थे और सामान बेचकर रकम खाने–पीने में खर्च कर देते थे। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 303(2), 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

कार्रवाई में थाना उतई के निरीक्षक महेश ध्रुव, उप निरीक्षक प्रमोद सिन्हा, सउनि नरेन्द्र सोनी, आरक्षक राजीव दुबे, महेश यादव तथा चौकी मचांदुर के सउनि नेमन साहू, आरक्षक श्रवण साहू, महिला आरक्षक काजल ठाकुर व अन्य स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई के लिए आगे आई है समितियां, 40,800 रुपये की मदद दी

सर्व समाज कल्याण समिति और यूथ सिख सेवा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने बांटे चेक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई और यूथ सिख सेवा समिति भिलाई की ओर से जरूरतमंद, असहाय विद्यार्थियों को शिक्षा जारी रखने के लिए आर्थिक सहायता दी गई। समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने विभिन्न परिवारों को कुल 40,800 रुपये की सहायता राशि चेक के माध्यम से प्रदान की।

पांच परिवारों को मिली मदद

समिति ने क्रमशः 11,800, 7,000, 8,000, 4,000 और 10,000 रुपये के चेक जरूरतमंद परिवारों को सौंपे। ये वे परिवार हैं जो आर्थिक तंगी, बीमारी या पारिवारिक संकट से जूझ रहे हैं। कई बच्चों के माता–पिता का साया उठ जाने से उनकी पढ़ाई रुकने की नौबत आ गई थी।

शिक्षा नहीं रुकनी चाहिए : छोटू

अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। किसी भी बच्चे की पढ़ाई आर्थिक अभाव के कारण नहीं रुकनी चाहिए। समिति को प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील पहल करते हुए मदद दी जा रही है। आगे भी जरूरतमंद परिवारों की हर संभव सहायता जारी रहेगी। इस मौके पर समिति के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

गृहमंत्री अमित शाह से बोली बस्तर की बच्ची अब हम बच गए

कभी नक्सलियों के गढ़ के रूप में प्रसिद्ध बस्तर में आदिवासी समुदाय के लोगों से की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के दौरे पर थे, जहां उन्होंने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। इसके बाद, कभी नक्सलियों के गढ़ के रूप में प्रसिद्ध बस्तर में आदिवासी समुदाय के लोगों से मुलाकात की। इस दौरान एक बच्ची के साथ हुए संवाद का जिक्र करते हुए गृह मंत्री ने इसे आनंददायक पल बताया।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जगदलपुर के नेतानार गांव में गुंडा धुर सेवा डेरा का जब उद्घाटन किया गया, वहां आदिवासी भाई–बहनों के चेहरे पर आशा की किरण देखी। राजनीति में मैं संवेदनशीलता के साथ काम करने वाला इंसान हूं। लाखों की भीड़ को भाषण देने से जितना आत्मसंतोष नहीं मिलता, उससे ज्यादा आत्मसंतोष 400 आदिवासी भाई–बहनों के बीच में मिला है।

उन्होंने कहा कि इस दौरान एक बच्ची के मुंह से 'अब हम बच गए' चलते–चलते सुनकर इतना आनंद हुआ कि शब्दों में वर्णन करना बहुत कठिन है। गृह मंत्री के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के अकाउंट से इस वीडियो को शेयर किया गया है, साथ में लिखा गया है, "बस्तर के नक्सलमुक्त होने के बाद जब वहां की एक छोटी बच्ची मुझे बोलती है कि 'हम बच गए,' तो वह खुशी लाखों खुशियों से ऊपर होती है।" बता दें कि गृह मंत्री अमित शाह मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में हिस्सा लेने के लिए बस्तर पहुंचे थे। इस बैठक के आयोजन को लेकर उन्होंने कहा कि जिस बस्तर में कभी लाल आतंक का साया था, आज वहीं जगदलपुर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक होना सभी के लिए गौरव का विषय है। मध्य क्षेत्रीय परिषद के सदस्य राज्यों के बीच आज किसी भी प्रकार का विवाद शेष नहीं रह गया है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने आगे कहा कि आज यह पूरा क्षेत्र न केवल नक्सलमुक्त हुआ है, बल्कि विवादों से भी मुक्त है। बैठक में कुपोषण उन्मूलन, स्कूल ड्रॉपआउट में कमी लाने, यौन अपराधों में शत–प्रतिशत दोषसिद्धि सुनिश्चित करने एवं राज्य–स्तरीय साइबर हेल्पलाइन जैसे अहम विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

शासन की योजनाओं से जुड़कर होवें लाभान्वित- स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

कौही जनसमस्या निवारण शिविर हितग्राहियों के लिए सौगात लेकर आई, विभागीय योजनाओं के लाभान्वित हुए हितग्राही

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सुशासन तिहार के अंतर्गत जिले के पाटन विकासखण्ड के ग्राम कौही में आज आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों को 1002 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें 189 आवेदन का मौके पर निराकरण किया गया। इस शिविर में कलस्टर के कौही सहित सिकोला, खम्हरिया (ड), कुर्मीगुण्डरा, बेलौदी, सिपकोन्हा, तेलीगुण्डरा, बोरीद, कुम्हली, सोनपुर, खर्रा, तरीघाट, जरवाय, केसरा, पौहा, बोरेंदा, भनसुली (क), गब्दी और असोगा के लोग शामिल हुए। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस शिविर में प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव और कलेक्टर अभिजीत सिंह भी शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को अपने कर-कमलों से सामग्री एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

शिविर में समाज कल्याण विभाग द्वारा ग्राम भनसुली (केसरा) के खेलूराम को बैशाखी, खाद्य विभाग द्वारा ग्राम कौही के सावित्री बाई, शकुन बाई, भाग्यश्री मारकंडे, मोनिका टिकरिहा, ललिता मारकंडे, कुलेश्वरी, चुम्मन जोशी और रानीबाई, ग्राम बोरेंदा के दुखनी बाई, नीतू यादव, ईश्वरी, लताबाई, सरस्वती, ऐश्वर्या, जितेश्वरी, कंचन देवांगन, गंगा यादव को राशन कार्ड प्रदान किया गया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग 100 दिवस रोजगार कार्य पूर्ण करने पर ग्राम बोरेंदा के चुकेश्वर, नरेश, केंवरा बाई, नीरू, टाकेश, मोहन, चांदनी, ललिता, सोनिया, निशा, अनिता चतुर्वेदी, गौरी चक्रधारी, सरस्वती साहू, अंजली साहू, हेमा बाई साहू, रीतू साहू, गंगा यादव एवं सुनिता बाई, ग्राम कौही के अमृत साहू, कुलेश्वरी साहू, राधिका निषाद, गीता निर्मलकर, डिम्पल देवांगन, मोना साहू, कमलेश पाल और राजकुमार साहू को जॉब कार्ड वितरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा छ.ग. महिला कोष योजना अन्तर्गत प्रज्ञा स्व सहायता समूह बोरेंदा और पाश्वी महिला स्व. सहायता समूह असोगा को दो-दो लाख रूपए ऋण राशि का चेक और ईश्वरी साहू को 80 हजार रूपए का चेक प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत ग्राम कौही के अंकालू राम साहू, महादेव निषाद, लखन निर्मलकर, पन्ना लाल निर्मलकर और बसंत निषाद को नवनिर्मित पीएम आवास की चॉबी सौंपी गई। ग्राम डिडग़ा के सरस्वती स्व सहायता समूह के स्वच्छताग्राही दीदियों का सम्मान किया गया। इसी प्रकार ग्राम कौही के श्रीमती गीतिका निषाद, श्रीमती लता सोनी, श्रीमती वेजंती निषाद और ग्राम बोरेंदा के गजेन्द्र चक्रधारी व किरण बाई पाण्डे को एसबीएम अंतर्गत शौचालय निर्माण कार्य के लिए सम्मानित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 10 गर्भवती माताओं की गोदभराई की रस्म अदायगी की गई। शिक्षा विभाग द्वारा हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा 95 प्रतिशत अंकों के साथ उतीर्ण करने पर कु. तानिया निषाद और हाईस्कूल की परीक्षा 97.08 प्रतिशत अकों के साथ उत्तीर्ण करने पर कु. तनुजा वर्मा को सम्मानित किया गया।

शिविर के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुसार विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्यमंत्री सहित मंत्री, विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण ग्रामीणों के बीच पहुंचकर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं पर प्रतिक्रिया ले रहे हैं। इस दौरान कलस्टरवार समस्या निवारण शिविर आयोजित कर अधिकारी जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए गांवों में पहुंच रहे हैं। मंत्री श्री यादव ने जनता से अपील की कि वे अपने छोटी-छोटी समस्याओं के निराकरण इन शिविरों के माध्यम से कराकर सरकार की योजनाओं से जुड़कर लाभान्वित होवें। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के सभी वगी के लिए योजनाएं संचालित कर रही है। सरकार की मंशा है कि इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों तक पहुंचे।

इससे पूर्व मंत्री श्री यादव ने शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों से रू-ब-रू चर्चा कर आवेदन निराकरण के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने भी विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर आवेदन निराकरण के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि, एसडीएम लवकेश ध्रुव, जनपद सीईओ जागेन्द्र साहू सहित समस्त विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

खास खबर

दुर्ग संभाग एक दिवसीय रैपिड शतरंज स्पर्धा का आयोजन आज

शह और मात की बाजी में दुर्ग संभाग के 165 खिलाड़ियों के बीच होगा मुकाबला

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन एवं प्रदेश शतरंज संघ के महासचिव विनोद राठी के मार्गदर्शन में जी एच रायसोनी की स्मृति में जी एच रायसोनी स्पोर्ट्स एंड कल्चरल फाउंडेशन व कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से शनिवार 23 मई को दुर्ग संभाग एक दिवसीय रैपिड शतरंज स्पर्धा का आयोजन श्री जलाराम सांस्कृतिक भवन सिविल लाइन दुर्ग में किया गया है। उक्त स्पर्धा का शुभारंभ लोहाणा महाजन समाज के अध्यक्ष राजेश राजा के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुल सचिव / रजिस्ट्रार/भूपेन्द्र कुलदीप उपस्थित रहेंगे।

जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने स्पर्धा संबंधी विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि उक्त स्पर्धा में दुर्ग संभाग के अंतर्गत आने वाले दुर्ग, राजनांदगांव,बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम, खैरागढ़ छुईखदान गंडई ,मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले के शतरंज 165 से अधिक खिलाड़ी शह और मात की बाजी में जोर आजमाइश करेंगे। स्पर्धा में कुल 51 हजार रुपए राशि पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे। जिसमें प्रथम पुरस्कार 11 हजार रुपए एवं विजेता ट्रॉफी, द्वितीय 7 हजार रुपए एवं उपविजेता ट्रॉफी, तृतीय 5 हजार रूपए एवं ट्रॉफी चतुर्थ 3 हजार रुपए एवं मोमेंटो, पांचवा 2 हजार रुपए एवं मोमेंटो,छठवां से लेकर दसवां स्थान 15 सौ रुपए एवं मोमेंटो तथा ग्यारहवें से लेकर पंद्रहवें स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 1 हजार रूपए एवं मोमेंटो प्रदान किया जाएगा।

इसके अलावा बेस्ट महिला खिलाड़ी,बेस्ट दुर्ग जिला खिलाड़ी,बेस्ट वरिष्ठ खिलाड़ी में प्रथम 15 सौ रुपए एवं द्वितीय 1 हजार रूपए एवं मोमेंटो के अलावा मिनी सब जूनियर एवं सब जूनियर वर्ग में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो प्रदान किया जाएगा। तथा भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को मेडल एवं ई सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं तकनीकी सहायक के रूप में फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा, मुदिता पाण्डे,सीनियर नेशनल आर्बिटर दिव्यांशु उपाध्याय होंगे।

बाल संप्रेषण गृह दुर्ग के 6 बच्चों ने 7वीं से 12वीं तक की परीक्षा की पास

किशोर न्याय बोर्ड की अनुमति से दी परीक्षा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने कराई तैयारी

दुर्ग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के मार्गदर्शन में बाल संप्रेषण गृह दुर्ग में निवासरत 6 बच्चों ने कक्षा 7वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं की परीक्षा में सफलता हासिल की है। कठिन पारिवारिक और सामाजिक परिस्थितियों के बावजूद बच्चों ने निरंतर अध्ययन कर यह उपलब्धि प्राप्त की। किशोर न्याय बोर्ड ने बच्चों के शैक्षणिक हितों को देखते हुए परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी थी। कुल 7 बच्चों को अनुमति मिली थी, जिनमें से 6 ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

अध्ययन सामग्री और शिक्षकों की व्यवस्था: प्राधिकरण द्वारा बच्चों को पढ़ाई के लिए अध्ययन सामग्री और शिक्षकों की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई गई थी। नियमित अध्ययन और अनुशासन से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ा।

शिक्षा से बदलेगा भविष्य : संस्था में बच्चों की इस सफलता से हर्ष का माहौल है। शिक्षा से बच्चे न केवल अपना भविष्य संवार सकेंगे, बल्कि खेल, कला, संगीत और तकनीकी प्रशिक्षण के जरिए रोजगार के नए अवसर भी हासिल कर सकेंगे। ये बच्चे समाज के अन्य जरूरतमंद बच्चों को भी पढ़ाई के लिए प्रेरित कर सकेंगे। बच्चों की इस उपलब्धि ने साबित किया है कि दृढ़ संकल्प और सकारात्मक वातावरण मिलने पर हर बच्चा नई ऊंचाइयों को छू सकता है। इससे अन्य बच्चों में भी शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

प्री-मानसून सर्वे हुआ शुरू : अब जलदूत एप में दर्ज होगा गांवों का भूजल डेटा

सूखे कुओं का भी होगा सर्वे, जलदूत एप में जोड़ा गया नया पैरामीटर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

बोरवेल के वाटर लेवल की भी होगी जांच, 25 मई से 15 जून तक चलेगा विशेष अभियान

भीषण गर्मी और लगातार गिरते भूजल स्तर को देखते हुए जिले में अब गांवों के कुओं और बोरवेल की जल स्थिति का वैज्ञानिक सर्वे किया जाएगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 25 मई से 15 जून तक जलदूत मोबाइल एप के माध्यम से विशेष प्री-मानसून भूजल सर्वे अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत चयनित खुले कुओं एवं बोरवेल में उपलब्ध पानी की गहराई मापकर उसका डिजिटल डेटा ऑनलाइन एप में दर्ज किया जाएगा।

जिला प्रशासन द्वारा तकनीकी अमले को निर्देशित किया गया है कि ग्राम पंचायतों में जलदूत एप के माध्यम से बोरवेल के वाटर लेवल की भी जांच सुनिश्चित की जाए। सर्वे के दौरान जलस्तर मापन की प्रक्रिया पूरी तरह वैज्ञानिक तरीके से की जाएगी ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल की वास्तविक स्थिति का सटीक आंकलन हो सके। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल की उपलब्धता, जलस्तर में गिरावट और जल संकट की संभावित स्थिति का आकलन करना है। जलदूत एप के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर भविष्य में जल संरक्षण संरचनाओं की योजना, वर्षा जल संचयन कार्यों की प्राथमिकता तय करने तथा जल संकट वाले क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता मिलेगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार इस बार भूजल स्तर मापन की प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक और एकरूप बनाया गया है। सभी ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि कुओं की माप केवल मेजरिंग टेप के माध्यम से ही की जाए, ताकि आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता बनी रहे।

उन्होंने बताया कि इस बार ऐसे सूखे कुएं, जिनमें पानी उपलब्ध नहीं है, उन्हें भी सर्वे में शामिल किया जाएगा। इन मामलों में जलस्तर के स्थान पर कुएं की कुल गहराई दर्ज की जाएगी। इसके लिए मंत्रालय ने प्री-मानसून 2026 सर्वे में कुएं की कुल गहराई नामक नया पैरामीटर जलदूत मोबाइल एप में जोड़ा है। इससे भूजल संरचना, जल उपलब्धता तथा जलस्तर में होने वाले बदलावों का अधिक विस्तृत विश्लेषण किया जा सकेगा।

अभियान के तहत वर्ष में दो बार डेटा संग्रह किया जाएगा। पहली बार बारिश पूर्व यानी प्री-मानसून अवधि में तथा दूसरी बार बारिश के बाद पोस्ट-मानसून अवधि में कुओं का जलस्तर मापा जाएगा। इससे वर्षा के बाद भूजल स्तर में हुए सुधार का तुलनात्मक अध्ययन भी संभव हो सकेगा। जिला प्रशासन ने सभी जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों को अभियान की तैयारी समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा भूजल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए इस अभियान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बिजली कटौती व भ्रष्टाचार के खिलाफ आप का हल्ला बोल, उग्र आंदोलन की चेतावनी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

दुर्ग-भिलाई में चरमराई बिजली व्यवस्था और कथित भ्रष्टाचार को लेकर आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को विद्युत विभाग के कार्यपालक निदेशक को ज्ञापन सौंपा। आप नेताओं ने चेतावनी दी कि सुधार नहीं हुआ तो पार्टी सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी।

बिजली उत्पादक राज्य में जनता अंधेरे में क्यों? : जिला कायर्कारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह, पूर्व आईटीआई प्रदेश अध्यक्ष मेहरबान सिंह और प्रदेश महिला सचिव ज्योति ने कहा कि छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादक राज्य है, फिर भी दुर्ग-भिलाई की जनता अघोषित कटौती और लो-वोल्टेज से परेशान है।

ट्रांसफार्मर बदलने के लिए क्रेन का चंदा : आप ने आरोप लगाया कि कई जोन में ट्रांसफार्मर मंजूर होने के बाद अधिकारी क्रेन का इंतजाम खुद करने को कहते हैं। गरीब-मध्यमवर्गीय जनता चंदा कर क्रेन बुला रही है। **सुपेला में व्यापार चौपट, खुर्सीपार में अवैध वसूली का आरोप :** पार्टी ने कहा कि आकाश गंगा सुपेला के दुकानदार रोज घंटों बिजली गुल रहने से बेहाल हैं। हर 2-4 घंटे में फ्यूज जोड़कर काम चलाया जा रहा है, जिससे उपकरण जल रहे हैं। खुर्सीपार में BSP-CSPDCL विवाद की आड़ में नए कनेक्शन के लिए 10 से 20 हजार रुपये तक रिश्वत मांगे जाने का आरोप लगाया। उपभोक्ता फोरम में भी विभाग के रिटायर्ड अधिकारी होने से न्याय न मिलने की बात कही।

निजीकरण की साजिश का शक : आप ने आशंका जताई कि क्या जानबूझकर सरकारी बिजली व्यवस्था को बदतर बनाकर निजीकरण का रास्ता तैयार किया जा रहा है। प्री-मानसून तैयारियों में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि खंभों के पास पेड़ों की छंटनी न होने से हल्की आंधी में भी तार टूट जाते हैं और 2-3 दिन तक बिजली गुल रहती है।

सुधार नहीं हुआ तो होगा आंदोलन : जिला अध्यक्ष जसप्रीत सिंह ने कहा, बिल वसूलने में रियायत नहीं तो सुविधा देने में लाचारी क्यों? उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली चाहिए। पार्टी ने भ्रष्टाचार पर लगाम, स्टाफ व ट्रांसफार्मर की कमी दूर करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में रऊफ अंसारी, सोनू यादव, धर्मेंद्र चौधरी, छबिलाल, मनीष मिश्रा, डॉ. एसके अग्रवाल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

बदहाल विद्युत व्यवस्था को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, सीएसपीडीसीएल को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग शहर में लगातार हो रही बिजली कटौती एवं बदहाल विद्युत व्यवस्था को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर ने बुधवार को सीएसपीडीसीएल कार्यालय पहुंचकर मुख्य कार्यपालन अभियंता संजय खंडेलवाल को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेसजनों एवं शहरवासियों ने विद्युत व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि पिछले लगभग एक वर्ष से दुर्ग शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार बिजली कटौती की समस्या बनी हुई है। हल्की आंधी, बारिश अथवा तूफान आते ही कई बिजली फीडर बंद हो जाते हैं, जिससे घंटों तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है। इसके कारण आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है तथा व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

इस दौरान जवाहर नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। लोगों ने बताया कि हल्की आंधी-तूफान में भी घंटों बिजली बंद रहती है और बार-बार शिकायत करने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। नागरिकों ने विद्युत विभाग के कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि शिकायतों पर समय पर कार्रवाई नहीं होती और कई बार कॉल सेंटर कमर्चारी फोन उठाने में भी लापरवाही बरतते हैं। गया नगर, बघेरा एवं किनसेव क्षेत्र के नागरिकों ने बताया कि कई बार देर रात तक बिजली बंद रहती है और सुधार कार्य में अनावश्यक विलंब किया जाता है। गर्मी के मौसम में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि कई बार पानी भरने एवं नल चालू होने के समय ही बिजली कटौती कर दी जाती है, जिससे पेयजल संकट की स्थिति बन जाती है। उन्होंने इसे पूरी तरह अनुचित बताते हुए तत्काल सुधार की मांग की। ज्ञापन में कांग्रेस पार्टी ने मांग की कि दुर्ग शहर की विद्युत व्यवस्था को तत्काल सुदृढ़ किया जाए, बार-बार बंद होने वाले फीडरों की तकनीकी जांच कर स्थायी समाधान निकाला जाए तथा आंधी-तूफान के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष काययीजना बनाई जाए। साथ ही विद्युत कटौती की स्थिति में त्वरित सुधार दल सक्रिय करने और अस्पतालों सहित आवश्यक सेवाओं वाले क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग भी की गई।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही विद्युत व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ और जनता की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो जिला कांग्रेस कमेटी आम जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रतिपक्ष नेता संजय कोहले, ब्लॉक अध्यक्ष अलताफ अहमद, कौशल किशोर सिंह, राय सिंह ढिकोला, राजू भाटिया, प्रेमलता साहू, प्रवक्ता नासिर खोखर, सुशील भारद्वाज, देव श्री साहू, आनंद कपूर ताम्रकार, गुरदीप भाटिया, मनीष बघेल, रतन नारायणदेव, दुष्यंत देवांगन, नंदू शर्मा, मुकेश साहू, राहुल शर्मा, हेमा साहू, देव सिन्हा, भूपेंद्र सेन, गणेश सोनी, निकिता सिंह, ज्ञानु बागड़े, जमना साहू, सुनीत घोष, अनीस रजा, अशोक मेहरा, दीपक जैन, दीपक चावड़ा सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधान जिला व सत्र न्यायालय दुर्ग में ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए वर्क फ्रॉम होम और वाहन पूलिंग व्यवस्था लागू

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारत के सर्वोच्च न्यायालय एवं छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के निर्देशों के अनुपालन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग में ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि 2026 के दौरान प्रशासनिक कार्यो के सुचारू संचालन एवं ऊर्जा संरक्षण को ध्यान में रखते हुए वर्क फ्रॉम होम तथा वाहन पूलिंग व्यवस्था लागू किए जाने का निर्णय लिया गया है।

इस संबंध में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशानुसार मुख्यालय में उपलब्ध वरिष्ठ न्यायाधीश चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में समस्त न्यायिक अधिकारियों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा जारी परिपत्रों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को प्रति सप्ताह अधिकतम दो दिवस वर्क फ्रॉम होम की अनुमति प्रदान कर सकते हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि प्रत्येक कार्य दिवस में कार्यालय एवं न्यायालय में न्यूनतम 50 प्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से बनी रहे, जिससे न्यायालयीन कार्य प्रभावित न हो।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्क फ्रॉम होम की अनुमति प्राप्त कर्मचारियों को कार्यालयीन समय में घर से कार्य करने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्यालय अथवा न्यायालय में उपस्थित होने हेतु दूरभाष के माध्यम से उपलब्ध रहने के निर्देश भी दिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, ईंधन की बचत एवं संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समस्त न्यायिक अधिकारियों को वाहन पूलिंग व्यवस्था अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, प्रथम जिला न्यायाधीश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शासकीय वाहनों के उपयोग में वाहन पूलिंग व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में उपस्थित सभी न्यायिक अधिकारियों ने इन निर्देशों का पूर्णतः पालन करने पर सहमति व्यक्त की। यह व्यवस्था ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि 2026 के लिए तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

भाजयुमो ने किया राहुल गांधी और दीपक बैज का पुतला दहन

भाजपा जिला नेतृत्व में जुटे मोर्चा पदाधिकारी, कांग्रेस नेताओं के बयान पर जताया विरोध

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भाजपा भिलाई जिला के नेतृत्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने गुरुवार को सुपेला चौक पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का पुतला दहन किया।

कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, भिलाई निगम के नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौरभ जयसवाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, सुपेला मंडल अध्यक्ष दीपक बोडेकर, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय जायसवाल, भाजपा प्रदेश झुग्गी प्रकोष्ठ के प्रदेश संवाद प्रमुख शारदा गुप्ता सहित युवा मोर्चा के जिले और मंडल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस नेताओं के बयानों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। पुतला दहन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया।

बस्तर के 377 गावों में जनजातीय गौरव उत्सव जन भागीदारी अभियान का हुआ शानदार आगाज

धरातल पर शिकायतों के निवारण और विकास की गति बढ़ाने पहल शुरू

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर जिले के दूरस्थ अंचलों तक सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुँचाने और ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनजातीय गौरव उत्सव जन भागीदारी अभियान की शुरुआत हो चुकी है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जिला स्तर पर जन भागीदारी-सबसे दूर, सबसे पहले थीम के तहत आदि कमयोगी अभियान का औपचारिक प्रारंभ कर दिया गया है।

परियोजना प्रशासक एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना जगदलपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह विशेष अभियान धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चयनित जिले के 377 ग्रामों में पूरी सक्रियता के साथ संचालित किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर के सूचना, शिक्षा, संचार कैम्पेन का मुख्य उद्देश्य सुदूर क्षेत्रों में सीधे जमीनी संपर्क स्थापित करना, शासन की सेवाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धता (सेवा संतृप्ति) सुनिश्चित करना, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाना और आदि सेवा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों की शिकायतों का समाधान करना है। अभियान के दौरान आयोजित होने वाली समस्त गतिविधियों

का प्रगति प्रतिवेदन तैयार कर उसे आदि प्रसारण पोर्टल पर भी अपलोड किया जा रहा है।

इस सुनियोजित अभियान का शुभारंभ जिला, विकासखण्ड और चयनित सभी 377 ग्रामों में व्यापक उन्मुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रमों के साथ हुआ। कार्यक्रम के आगे बढ़ते ही, गाँवों में विकास को गति देने के लिए विशेष संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जा रहा है और साथ ही पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण हेतु जनजागरूकता अभियान भी चलाया जा जा रहा है। अभियान के अगले चरण में प्रशासनिक टीमों द्वारा विभिन्न ग्रामों का सघन भ्रमण किया गया, जहाँ अधिकारियों ने जमीनी स्तर पर गाँवों की वास्तविक स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया और ग्रामीणों के बीच विभिन्न कल्याणकारी विषयों पर जागरूकता का प्रसार किया।

ग्रामीणों को सीधे राहत पहुँचाने के उद्देश्य से अब अभियान के तहत विशेष जनसुनवाई कार्यक्रमों की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं, जिनमें दैनिक आधार पर गतिविधियाँ संचालित कर लोगों की शिकायतों और उनके अधिकारों का त्वरित समाधान किया जा रहा है। इन जनसुनवाई सत्रों में सामने आने वाली सभी समस्याओं और उनके निराकरण की प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देते हुए दस्तावेजीकरण (डॉक्यूमेंटेशन) किया जाएगा।

इस बेहद महत्वपूर्ण और जन-उपयोगी पहल के शुरू होने पर एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना जगदलपुर के परियोजना प्रशासक बस्तर जिले के ग्रामीणों से अनुरोध किया है कि सभी ग्रामीणजन इस अभियान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों, अपनी समस्याओं को दर्ज कराएं और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित होकर इस महा-अभियान को सफल बनाएं।

खास खबर

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में संचालित बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत प्रदेश में लगातार जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में बाल विवाह रोकथाम, महिला सुरक्षा और बाल संरक्षण को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में 21 मई को मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिला के जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्डलाइन की संयुक्त टीम द्वारा वैभव संकुल संगठन दनगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को पॉक्सो एक्ट एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का हनन करने के साथ ही उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। महिलाओं को जागरूक करते हुए बताया गया कि बालिकाओं की वैधानिक विवाह आयु 18 वर्ष तथा बालकों की 21 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही विवाह किया जाना कानूनन मान्य है।

इस दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 एवं आपातकालीन सेवा 112 की जानकारी देते हुए किसी भी आपात स्थिति या बाल संरक्षण से जुड़ी समस्या की सूचना तत्काल देने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही समाज से बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को बाल अधिकारों, महिला सुरक्षा और कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

खाद की कालाबाजारी के मामले में 5 दुकानदारों को नोटिस

रायपुर। खरीफ सीजन से पहले किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद उपलब्ध कराने और नकली खाद व कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में खाद विक्रय केंद्रों के औचक निरीक्षण अभियान कृषि विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर पांच दुकानदारों को नोटिस जारी किया गया है।

कृषि विभाग की टीम ने बुधवार को जिले के विकासखंड बिलाईगढ़ के अंतर्गत मेसर्स आनंद ट्रेडर्स सरसींवा, प्रकाश ट्रेडर्स पेंड्रावन, धनलक्ष्मी ट्रेडर्स जोरापाली, प्रमोद कृषि केंद्र, राहुल हाडर्वेयर भटगांव, पुष्पराज केशरवानी भटगांव और मेलाराम कृषि केंद्र दुमहानी का निरीक्षण किया। जांच के दौरान उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ) के नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर मेसर्स आनंद ट्रेडर्स सरसींवा, धनलक्ष्मी ट्रेडर्स जोरापाली, पुष्पराज केशरवानी भटगांव, राहुल हाडर्वेयर भटगांव और साहू खाद भंडार पवनी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कामयाबी वेन को दिखाई हरी झंडी विद्यार्थियों तक पहुंचेगी डिजिटल शिक्षा की नई रोशनी

नीति आयोग समर्थित मिशन कामयाबी के तहत वर्चुअल रियलिटी और आधुनिक तकनीक से होगा शिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड के ग्राम कुशहा में आयोजित चौपाल के दौरान नीति आयोग द्वारा वित्तपोषित मिशन कामयाबी के तहत संचालित कामयाबी वेन को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस पहल के माध्यम से दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों तक आधुनिक डिजिटल शिक्षा और तकनीकी आधारित सीखने के अवसर पहुंचाए जाएंगे, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता और सीखने के अनुभव में सकारात्मक बदलाव आएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक तकनीक का समान अवसर मिले। उन्होंने कहा कि आज का दौर ज्ञान, नवाचार और तकनीक का है, ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी डिजिटल संसाधनों और नई शिक्षण पद्धतियों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें।

उल्लेखनीय है कि कामयाबी वेन के माध्यम से विद्यार्थियों को वर्चुअल रियलिटी एवं ऑगमेंटेड रियलिटी तकनीक आधारित शिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। यह वेन विज्ञान, गणित, तकनीकी अवधारणाओं और अन्य विषयों को अधिक रोचक, अनुभवात्मक और व्यवहारिक तरीके से समझाने में सहायक होगी। इससे विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता, तकनीकी जागरूकता तथा बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में सुधार आने की संभावना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि यह अभिनव पहल दूरस्थ गांवों के विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी तथा उन्हें विज्ञान, डिजिटल तकनीक और आधुनिक शिक्षा से सरल एवं प्रभावी ढंग से जोड़ने का माध्यम बनेगी।

इस अवसर पर विधायक भैया लाल राजवाड़े, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, विशेष सचिव रजत बंसल, कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

नीति आयोग की रिपोर्ट में छग का उसूर ब्लॉक देश में दूसरे स्थान पर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सीएम साय बोले- सुशासन का प्रमाण, वन मंत्री केदार कश्यप ने दी बीजापुर को बधाई

नीति आयोग द्वारा जारी चैंपियंस ऑफ द क्वार्टर अक्टूबर-दिसंबर 2025 की रिपोर्ट में बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक ने सेंट्रल जोन में देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वन मंत्री केदार कश्यप ने बीजापुरवासियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, उसूर का राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त करना हमारे सुशासन और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। बस्तर के सुदूर गांवों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने सफलता का श्रेय जमीनी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, मितानिन बहनों, एएनएम और डॉक्टरों के समर्पण को दिया। सीएम ने कहा कि अगला लक्ष्य देश में प्रथम स्थान हासिल करना है।

प्रभारी मंत्री कश्यप ने सराहा

जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद स्वास्थ्य कर्मियों और जिला प्रशासन ने सराहनीय काम किया है। उन्होंने कहा कि कभी बुनियादी सुविधाओं से दूर माना जाने वाला उसूर आज देश के लिए विकास का मॉडल बन गया है।

इन मानकों पर खरा उतरा उसूर

नीति आयोग ने स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के कई संकेतकों पर मूल्यांकन किया। उसूर ब्लॉक ने चार प्रमुख क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया:-

1. संचारी रोगों पर नियंत्रण: मलेरिया, डेंगी की रोकथाम के लिए सुदूर गांवों तक अभियान।
2. सुरक्षित मातृत्व: संस्थागत प्रसव में रिकॉर्ड बढ़ोतरी से शिशु और मातृ मृत्यु दर में कमी।
3. टीकाकरण: बच्चों-गर्भवती महिलाओं के नियमित टीकाकरण के साथ एचपीवी टीकाकरण सफल।
4. गंभीर बीमारियों की जांच: बीपी, शुगर और कैंसर की मुफ्त जांच गांव-गांव तक पहुंचाई।

अगला लक्ष्य- देश में पहला स्थान

कलेक्टर विश्वदीप और सीएमएचओ ने मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि आगामी तिमाहियों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और निखारकर देश में पहला स्थान हासिल करने के लिए काम तेज कर दिया गया है।

सुशासन तिहार : शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम राहुद में गुरुवार को शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत राहुद सहित राहुद कलस्टर में शामिल आसपास के 18 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

इसके अंतर्गत गुण्डरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, पूर्व विधायक वीरेन्द्र साहू, जनपद अध्यक्ष पुरूषोत्तम चंद्राकर, जनपद उपाध्यक्ष नीतेश मोंटी यादव, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कांति सोनेश्वर सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर हितग्राहियों को कृषि विभाग अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य कार्ड, मत्स्य पालन प्रसार योजना अंतर्गत जाल एवं आईस बॉक्स का वितरण किया गया। इसी तरह समाज कल्याण विभाग अंतर्गत श्रवण यंत्र एवं छड़ी, स्वामित्व योजना अंतर्गत अधिकार अभिलेख पत्र का वितरण किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण पूणर्ता प्रमाण पत्र एवं केसीसी कार्ड का वितरण किया।

इसके अलावा शिविर में राज्य शासन के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने हेतु मेडिकल बोर्ड लगाया गया था। इस दौरान मेडिकल बोर्ड में शामिल विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने पहुँचे दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाया गया। शिविर में अतिथियों के द्वारा नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके अलावा गर्भवती माताओं को सुपोषण किट भेंटकर उनके गोदभराई के रस्म को पूरा किया गया। ग्राम राहुद में आयोजित शिविर में आज विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 1838 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 1428 आवेदनों को मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया गया।

शिविर को संबोधित करते हुए विधायक कुंवर सिंह निषाद ने विभिन्न विभाग के अधिकारियों को सुशासन तिहार के दौरान आम जनता से प्राप्त आवेदनों का समुचित निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। जिससे सुशासन तिहार का आयोजन सार्थक हो सके। उन्होंने शिविर में उपस्थित लोगों को बाल विवाह के दुष्प्रभावों के संबंध में जानकारी देते हुए इसके रोकथाम के कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की शपथ भी दिलाई।

बालोद जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर ने आम नागरिकों को सुशासन तिहार के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गो के कल्याण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। सुशासन तिहार के दौरान शासन-प्रशासन के लोग आम जनता के बीच पहुँचकर इनके वास्तविक समस्याओं का पड़ताल कर रहे हैं। शिविर में अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सुशासन तिहार के उद्देश्यों के संबंध में सभी विभाग के अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता के साथ आम जनता से प्राप्त आवेदनों का समुचित निराकरण भी सुनिश्चित करने को कहा। इस मौके पर विभिन्न विभागों के द्वारा शिविर में आज अपने-अपने विभागों से संबंधित कुल आवेदन एवं उनके निराकरण की स्थिति के अलावा आम नागरिकों को शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी। शिविर में आज ग्रामीण महिलाओं द्वारा नीर चेतना अभियान के अंतर्गत पानी के महत्व के संबंध में आम जनता को जानकारी प्रदान करने हेतु नुक्कड़ नाटक की भी प्रस्तुति दी।

सुशासन तिहार जनता की समस्याओं के समाधान का अभियान, सरकार पहुंच रही लोगों के द्वार : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत सूरजपुर जिले के रामानुजनगर-पटना में आयोजित समाधान शिविर में आमजन से संवाद करते हुए कहा कि सुशासन तिहार जनता की समस्याओं के समाधान का अभियान है, जिसके माध्यम से शासन और प्रशासन स्वयं लोगों के द्वार तक पहुँचकर उनकी शिकायतों, समस्याओं और आवश्यकताओं का निराकरण सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना और आम नागरिकों को बेहतर से बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार का दायित्व है कि वह लोगों के बीच जाकर जमीनी वास्तविकताओं को समझे और यह सुनिश्चित करे कि योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सही व्यक्ति तक सही समय पर पहुँच रहा है या नहीं। मुख्यमंत्री श्री

साय ने कहा कि सुशासन तिहार के अंतर्गत यह उनका 11वाँ जिला प्रवास है और 10 जून तक प्रदेश के सभी 33 जिलों का दौरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में अधिकारियों के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन, राजस्व प्रकरणों के निराकरण तथा लंबित मामलों की समीक्षा की जा रही है और ग्राम पंचायत स्तर पर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों की गुणवत्ता के मामले में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा औचक निरीक्षण के माध्यम से व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की जा रही है।

उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले ग्रामीण भाई-बहन नंगे पैर जंगलों में तेंदूपत्ता संग्रहण करने जाते थे, जिससे उन्हें चोट लगने का खतरा रहता था, लेकिन चरण पादुका योजना के माध्यम से अब उन्हें राहत और सुरक्षा मिल रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार किसानों, महिलाओं, गरीब परिवारों और ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि किसानों को 3716 करोड़ रुपये बोनस वितरित किया गया है, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है तथा सरकार बनने के बाद 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से महतारी वंदन योजना की राशि मिलने की जानकारी भी ली और बताया कि लगभग 70 लाख महिलाएँ इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलला दर्शन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना और अटल डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से नागरिकों तक आवश्यक सुविधाएँ पहुँचाई जा रही हैं, जबकि ई-डिस्ट्रिक्ट प्रणाली के जरिए आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र सहित अनेक सेवाएँ घर बैठे उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शुरू की जाएगी, जहाँ नागरिक टोल-फ्री नंबर के माध्यम से अपनी समस्याएँ दर्ज करा सकेंगे और उनके निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि बिजली बिल समाधान शिविर 31 जून तक आयोजित किए जाएंगे तथा लोगों से इसका लाभ लेने की अपील की। साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जुड़कर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह भी किया। धान बुवाई के मौसम का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने किसानों को आश्वस्त किया कि खाद, बीज, नैनो डीएपी और नैनो यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि खेती की लागत कम हो और किसानों को समय पर संसाधन मिल सकें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जिले के विकास के लिए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएँ करते हुए रामपुर-रामानुजनगर में मिनी स्टेडियम निर्माण, पटना में हायर सेकेंडरी स्कूल तथा नगर पालिका सूरजपुर पॉलीटेक्निक की बाउंड्रीवाल निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ का निर्माण राज्य सरकार का संकल्प है और विकास कार्यों की गति को और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री किसान श्री रघुनंदन सिंह के निवास पहुँचे, जहाँ उन्होंने हितग्राहियों के साथ सरई पत्ते से बने दोने-पत्तल में परोसे गए छत्तीसगढ़ी पारंपरिक भोजन का आत्मीयता से स्वाद लिया। मिट्टी के चूल्हे पर बनी कोयलार भाजी, कोचई पत्ते से बना ईढ़र और आम की चटनी जैसे पारंपरिक व्यंजनों के साथ मिट्टी के गिलास में जल ग्रहण कर मुख्यमंत्री ने प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और ग्रामीण जीवन से अपने गहरे जुड़ाव का संदेश दिया।

संपादकीय

शाह ने बताया कि अब आगे क्या करना है

बस्तर से नक्सलवाद का खात्मा हो चुका है, बड़े बड़े नक्सली नेता या तो मारे जा चुके हैं या उन्होंने सरेंडर कर दिया है ।नक्सली गतिविधियां अब बस्तर में बंद हो चुकी हैं ।बस्तर के विकास का यह तो एक चरण था। इतना कर देने से ही बस्तर में सब कुछ अच्छा नहीं सकता है ।नक्सलियों का सफाया तो बस्तर के विकास की दिशा में एक चरण है। यानी बस्तर के विकास के लिए अभी तो बहुत करना बाकी है ।विकसित बस्तर की कल्पना तो नक्सलियों के रहते की नहीं जा सकती थी ।विकसित बस्तर के लिए नक्सलियों का सफाया जरूरी था ।यह काम अमित शाह व साय सरकार ने पूरा कर दिया है ।अब अमित शाह ने बस्तर के लोगों का बताया है कि उनके विकास के लिए सरकार ने क्या किया है और आगे क्या करने वाली है ताकि विकसित भारत के साथ ही विकसित बस्तर के लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

नक्सलियों का सफाया अमित शाह का 2026 का लक्ष्य था और साय सरकार के सहयोग से इस लक्ष्य का हासिल किया जा चुका है। अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान अमित शाह ने इस बार बताया है कि अब बस्तर के विकास के लिए अगले पाचं साल क्या करना है ।यह तो सब जानते हैं कि जब अमित शाह कोई लक्ष्य तय करते हैं तो वह जानते हैं कि इस लक्ष्य को कैसे हासिल किया जा सकता है और इसमें कितना वक्त लग सकता है ।यही वजह है कि माओवादियों के खात्मे के बाद पहली बार प्रेस कांफ्रेंस में अमित शाह ने वादा किया है कि 2031 तक विकसित बस्तर बनाया जाएगा ।उन्होंने बस्तर के लोगों को आश्वस्त किया है कि अब भय में जीने की जरूरत नहीं है ।नया सूयीदय हो चुका है ।केंद्र व साय सरकार यहां के आदिवासियों के साथ है ।अब बस्तर विकसित बस्तर बनने जा रहा है।

उन्होंने बस्तर के लोगों को बताया कि विकसित बस्तर कैसे बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य में भाजपा की सरकार है ।यह दोनों सरकार बस्तर के विकास के लिए वह सब करेंगी जो जरूरी है ।इसके तहत सब कल्याणकारी योजनाओं को बस्तर के लोगों तक पहुंचाया जाएगा, उससे लाभान्वित कराया जाएगा ।वनोपज की पैकेजिंग, मार्केटिंग के साथ है कौशल विकास और दुग्ध उत्पादन कर लोगों की आय बढ़ाई जाएगी ।उन्होंने बताया कि विकसित बस्तर के रोड मैप में सुरक्षा कैंप की भी अहम भूमिका होगी ।पहले यह कैंप सुरक्षा का काम करते थे और यह कैंप हर तरह की सेवा का काम करेंगे। बस्तर में जितने भी कैंप हैं उनको सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा ।इस सेवा केंद्रों के माध्यम से ही केंद्र व राज्य की 350 योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

अमित शाह ने बताया कि सेवा केंद्र में जनवितरण प्रणाली दुकानें, आंगनबाड़ी, पीएचसी, बैंकिंग सेवाएं आदि होंगी। बस्तर में डेयरी तक दूध पहुंचाने का काम भी यह सेवा केंद्र करेंगे ।इन सेवा केंद्रों में लोगों को कौसल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा ।यह सेवा केंद्र किसान की प्राथमिक समिति का भी काम करेंगे। बस्तर में हर परिवार को एक गाय और एक भैंस दिया जाएगा और यह सेवा केंद्र दूध एकत्र कर डेयरी तक पहुंचाएंगे ।उन्होंने बताया कि दूध के लिए एनडीडीबी का राज्य सरकार से करार हो चुका है ।उन्होंने कहा कि माओवादियों के कारण बस्तर में पचास साल से विकास रुका हुआ था बस्तर को देश के अन्य भागों के बराबर मे लाने में पांच साल का समय लगेगा।

अमित शाह ने कहा था कि 31 मार्च 26 तक नक्सलियों का सफाया कर दिया जाएगा और ऐसा उन्होंने साय सरकार की मदद से करके दिखाया है तो वह कह रहे हैं कि पांच साल में बस्तर को विकसित बस्तर बनाकर दिखाएंगे तो उस पर यकीन किया जा सकता है क्योंकि आज अमित शाह ने जो कहा है वह करके भी दिखाया है ।जो काम उनको सौंपा गया है, वह उसमें सफल रहे हैं ।चाहे यूपी का चुनाव हो, आतंकवाद का सफाया हो, पं.बंगाल चुनाव जीतना हो ।उन्होंने करके दिखाया है। बस्तर में नक्सलियों का सफाया ऐसी सचाई है कि बस्तर की जनता जानती है कि यह काम किसने करके दिखाया है। किसने बस्तर में नक्सलियों की मदद कर उनको बचाने का काम किया है। ऐसे लोगों का अमित शाह की सफलता बुरी लगती है क्योंकि आज भी वह चाहते हैं कि बस्तर में कोई नक्सली वारदात हो तो वह कह सकें कि अमित शाह झूठ कहते हैं कि नक्सलियों का सफाया हो गया है ।वह खुद सफल हो नहीं हो सके और कोई दूसरा सफल हो गया है तो उसकी सफलता पर सवालिया निशान लगाते हैं।

भारतीय मीडिया की बड़ी होती दुनिया !

देश की वैश्विक पहचान बनाने और जड़ों से जोड़ने में मिली है कामयाबी

प्रो. संजय द्विवेदी

इन दिनों भारत की मीडिया में बंदिशों और लोकतंत्र के सिकुड़ते जाने की कथाएं हवा में तैर रही हैं। लोकतंत्र बचाने में वे सब आगे हैं जिनके शासन की कथाएं उन्हें खुद मुंह चिढ़ा रही हैं। मीडिया को दबाने, नियंत्रित करने की कहानियां आज की नहीं हैं। लेकिन मीडिया की हिम्मत भी आज की नहीं है। हमारे देश में पत्रकारिता की शुरुआत ही जेम्स आगस्टस हिकी की क्रांतिकारी लेखनी से प्रारंभ होती है, जिसने अंग्रेज लाट साहबों की बैंड बजा दी। अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध फूंककर उसने अंग्रेज होकर भी जेलें झेलीं, जुर्माने चुकाए और खामोश मौत पाई। किंतु हिकी यह बता गया कि पत्रकारिता क्यों और कैसे करनी है। इसके बाद आजादी के आंदोलन में यही पत्रकारिता ह्यखबरह्ल की जगह ह्यपैगामह्ल देने वाली बन गयी। जिसके कारण शायर को कहना पड़ा कि जब तोप मुकाबिल तो अखबार निकालो।

सुनने और देखने का समय

हमारे देश के हर क्रांतिकारी और आजादी के नायकों ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पत्रकारिता को एक अस्त्र की तरह इस्तेमाल किया। लोकमान्य तिलक, विपिन चंद्र पाल, लाला लाजपत राय, सुभाषचंद्र बोस, महात्मा गांधी, माधवराव सप्रे, गणेशशंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी सबने पत्रकारिता के माध्यम से राष्ट्र को जागृत किया। पत्रकारिता की भावभूमि आजादी के आंदोलन ने तय कर दी। वह थी जनपक्षधरता, न्याय के लिए संघर्ष और सत्यान्वेषण। आजादी के बाद देश के नवनिर्माण का काम हो या आपातकाल विरोधी संघर्ष हमारे पत्रकारों ने हर जगह अपने उजले पदचिन्ह छोड़े। आज मीडिया का स्वरूप बहुत व्यापक हो गया है। वह अनेक मंचों से की जा रही है। प्रिंट, टीवी, रेडियो से अलग मोबाइल पर हो रही पत्रकारिता गजब कर रही है। कहा जा रहा कि डिजिटल का सूरज कभी नहीं डूबता। इसलिए आप देखें तो पाएंगे मीडिया की पहुंच मोबाइल के माध्यम से ज्यादातर लोगों तक हो रही है। मीडिया कन्वर्जेंस का माध्यम मोबाइल बने हैं। ऐसे में ज्यादातर चीजें सुनी और देखी जा रही हैं। पठनीयता के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। फिर भी इतना बड़ा देश अगर कुछ प्रतिशत में भी पढ़ता है तो भी संख्या आसानी से करोड़ों में होती है। दुनिया के तमाम देश एक भाषा में सोचते, पढ़ते और बोलते हैं। हिंदुस्तान 22 बड़ी भाषाओं और तमाम बोलियों में सुनता, पढ़ता और देखता है। इसलिए भारत के मीडिया का आकार बहुत व्यापक है।

वैश्विक पटल पर उभरा भारत

डिजिटल मीडिया ने हमारे माध्यमों को वैश्विक किया है। भारतीय भाषाओं को वैश्विक किया है। कभी फिल्में हमारे भारतीय समाज का वैश्विक चेहरा बनाती थीं। अब मीडिया इसके केंद्र में है। यू-ट्यूब, सोशल मीडिया, वेब माध्यमों , ई-पेपर और ई-बुक्स से एक नई दुनिया बन रही है, जिसने भारत की वैश्विक छवि बनाने का काम किया है। आज भारत और उसकी भाषाओं के साथ अंग्रेजी भाषा में भी भारतीयों की खास उपस्थिति है। वे जो लिख, कह और कर रहे हैं उसने देश को दुनिया में व्यक्त किया है। हिंदुस्तानी जहां-जहां गए अपनी भाषा और संस्कृति के साथ गए और वहां एक लघु भारत खड़ा किया। यह लघु भारत आज मीडिया और संचार माध्यमों से शक्ति पाता है। अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ महसूस करता है। एक समय में अपनी भाषा के प्रकाशनों, पत्र-पत्रिकाओं, किताबों और मनोरंजन को प्राप्त करना मुश्किल था, किंतु डिजिटल माध्यमों ने इसे संभव किया है। दूरियां, भूगोल और भाषा सबके अंतर को पाटकर भारत आपके घर पहुंच जाता है। इससे भारत की शक्ति बन रही है। साफ्टपावर क्या कर सकती है, इसे हम सब महसूस कर रहे हैं।

नया भारत बनाने में खास भूमिका

एक नया भारत बनाने और उसके एकीकरण में भारतीय मीडिया की भूमिका को स्वीकार करना चाहिए। अपने प्रारंभ से ही उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम भारतीय पत्रकारिता और साहित्य का स्वर एक रहा है। सबने भारत बोध को स्वर दिया है। एकत्व को स्थापित किया है। जगदगुरु शंकराचार्य के बाद भारत के एकीकरण का काम पत्रकारिता और साहित्य ने ही किया है। अपने राष्ट्रीय विचारों के समाचार पत्र से तमिलनाडु के सुब्रम्ण्यम भारती जो कर रहे थे, वही काम हिंदी में माखनलाल चतुर्वेदी कर रहे थे। उनके साहित्य और पत्रकारिता दोनों में भारत बोलता है। इस तरह हम देखते हैं कि समाचार माध्यमों ने न सिर्फ सूचनाओं का आदान प्रदान किया बल्कि एक देश में एक भाव भी भरा। यही हमारी पत्रकारिता की मूल शक्ति है। पत्रकारिता के नायक लोकमान्य तिलक का वाक्य स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, देश की वाणी बन गया। देश ने आजादी के सपने देखने प्रारंभ किए। उनकी प्रेरणा से अनेक लोग पत्रकारिता में आए और उसी भाव को लेकर आगे बढ़े। इनमें हिंदी के माधवराव सप्रे का उदाहरण सबसे खास है, जिन्होंने तिलक जी के मराठी अखबार ह्यकेसरीह्ल से प्रेरणा लेकर ह्यहिंदी केसरीह्ल प्रारंभ किया। ऐसे अनेक नायक देश को जोड़ने के सूत्र खोजकर पत्रकारिता के माध्यम से सामने आते रहे। समस्त भारतीय भाषाओं के श्रेष्ठ संपादकों ने इस दौर में जो भाव जागरण किया है, वह अप्रतिम है।

सांस्कृतिक प्रवाह है एकत्व का कारण

इतनी सारी भाषाओं, बोलियों, खानपान, स्थानीय प्रतीकों को लेकर चलता हुआ देश अगर एक है तो इसका कारण है, उसके सांस्कृतिक प्रवाह का एक होना। लंबी गुलामी, वैचारिक दासता से घिरे बुद्धिजीवियों द्वारा किए लंबे अनर्थ चिंतन के बाद भी इस देश की प्रज्ञा अगर सो नहीं गयी तो इसका कारण इस देश की गहरी सांस्कृतिक जड़ें हैं। समय-समय पर नायक आते रहे हैं। जो हमें याद दिलाते हैं कि सब कुछ कभी खत्म नहीं हो सकता। भारतेंदु हरिश्चंद्र उनमें एक हैं, गांधी हैं, बाद के दिनों में दीनदयाल उपाध्याय, डा. राममनोहर लोहिया, अटलबिहारी वाजपेयी हैं। इनमें से सब पत्रकारिता को अपनी अभिव्यक्ति का केंद्र बनाते हैं। मीडिया के माध्यम से समाज को उसके बोध से जोड़ते हैं। उसी समय समाज को राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त याद दिलाते हैं - हम कौन थे, क्या हो गये हैं, और क्या होंगे अभी आओ विचारें आज मिल कर, यह समस्याएं सभी।

जाहिर है हमारी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। हमें नित अपने राष्ट्र के समक्ष उपस्थित संकटों के ठोस और वाजिब हल तलाशने हैं। पत्रकारिता, साहित्य और प्रदर्शन कलाओं में यह सामर्थ्य है कि वे समाज को संबल देते हुए उन्हें एकजुट कर सकते हैं। उनको रास्ता दिखा सकते हैं। भारतीय पत्रकारिता कमोबेश अपनी इस भूमिका पर आज भी कायम है। अपनी इस भूमिका को और प्रखर करते हुए पत्रकारिता जगत को वह सब करना ही होगा, जो अपेक्षित है। इसकी कसौटी भी तय है- जनपक्ष और सत्यान्वेषण। इसी में भारतीय पत्रकारिता की मुक्ति है, इसी में उसका गौरव है।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

नवागढ़ की प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार सजग

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने दिए सर्वेक्षण और विस्तृत जांच के निर्देश

छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कोंडागांव जिले के नवागढ़ क्षेत्र में प्राप्त प्राचीन पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में त्वरित संज्ञान लिया है। मंत्री श्री अग्रवाल ने पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय को निर्देशित किया है कि नवागढ़ क्षेत्र में उपलब्ध प्राचीन प्रतिमाओं और अन्य पुरातात्विक अवशेषों का विशेषज्ञ दल के माध्यम से शीघ्र स्थल निरीक्षण एवं विस्तृत सर्वेक्षण कराया जाए।

संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि नवागढ़ क्षेत्र में 5वीं-6वीं शताब्दी ईस्वी से संबंधित प्राचीन प्रतिमाओं और अन्य अवशेषों की जानकारी सामने आने के बाद इस स्थल का वैज्ञानिक अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विशेषज्ञ दल द्वारा क्षेत्र में उपलब्ध सभी प्रतिमाओं, स्थापत्य अवशेषों, शिल्प कलाकृतियों और संभावित पुरातात्विक स्थलों का सूक्ष्म अध्ययन किया जाए तथा उनका विस्तृत दस्तावेजीकरण भी किया जाए, ताकि इन धरोहरों के ऐतिहासिक महत्व का समुचित आकलन किया जा सके।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि सर्वेक्षण और स्थल निरीक्षण से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर आवश्यकतानुसार इन पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा के लिए आवश्यक कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। यदि स्थल का ऐतिहासिक महत्व प्रमाणित होता है, तो उसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में भी पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती प्राचीन सभ्यताओं, स्थापत्य कला और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से परिपूर्ण रही है। प्रदेश के अनेक अंचलों में ऐसे महत्वपूर्ण स्थल हैं, जिनका व्यवस्थित अध्ययन और संरक्षण किए जाने की आवश्यकता है। राज्य सरकार इन धरोहरों की पहचान, संरक्षण और उनके वैज्ञानिक अध्ययन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य की ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शोधकर्ताओं, इतिहासकारों और आम नागरिकों की सहभागिता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इन धरोहरों का संरक्षण केवल अतीत को सुरक्षित रखने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और इतिहास से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि ऐतिहासिक स्थलों और पुरातात्विक धरोहरों को संरक्षण के साथ-साथ अध्ययन, शोध और सांस्कृतिक पर्यटन के दृष्टिकोण से भी विकसित किया जाए, जिससे प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को व्यापक पहचान मिले और स्थानीय स्तर पर पर्यटन एवं रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो सके।

रामराज्य की नई तलाश और कॉकरोच जनता पार्टी का उदय

जनता अब भाषण नहीं, बदलाव चाहती है

आचार्य डॉ. अजय आर्य

भारत की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है जहाँ जनता केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि राजनीति की कायर्शैली में परिवर्तन चाहती है। वर्षों तक चले पुराने नारों, लच्छेदार भाषणों, जातीय समीकरणों और चुनावी वादों के बीच आम नागरिक अब स्वयं को ठगा हुआ महसूस करने लगा है। जनता अब केवल भाषण सुनना नहीं चाहती, वह परिणाम देखना चाहती है। यही कारण है कि आज देश में नए राजनीतिक प्रयोगों और वैकल्पिक दलों की चर्चा बढ़ रही है।

इसी परिवर्तित राजनीतिक वातावरण में कॉकरोच जनता पार्टी का नाम अचानक चर्चा में आता है। यह नाम भले व्यंग्यात्मक प्रतीत हो, लेकिन इसके पीछे जनता की गहरी मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया छिपी हुई है। वर्षों से सत्ता और विपक्ष के बीच चल रही पारंपरिक राजनीति से ऊबी जनता अब ऐसे विकल्प तलाश रही है जो सीधे आम आदमी की बात करे, दिखावे से दूर हो और राजनीतिक पाखंड पर चोट करे।

कॉकरोच जनता पार्टी का उदय केवल एक राजनीतिक घटना नहीं बल्कि सामाजिक असंतोष का प्रतीक बनता दिखाई देता है। इस पार्टी की सबसे बड़ी विशेषता यह बताई जा रही है कि यह पुराने राजनीतिक ढाँचे से अलग स्वयं को प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है। इसके नियमों और कायर्शैली में सरलता, जनसंपर्क और प्रत्यक्ष संवाद को महत्व दिया जा रहा है। पार्टी यह संदेश देने का प्रयास करती दिखाई देती है कि राजनीति केवल बड़े मंचों और सुरक्षा घेरे में रहने वाले नेताओं की संपत्ति नहीं बल्कि सामान्य नागरिक की भागीदारी से चलने वाली व्यवस्था होनी चाहिए।

सबसे अधिक चर्चा विजय जोसेफ के कारण हो रही है। विजय जोसेफ राजनीति में बिल्कुल नए माने जाते हैं। न कोई बड़ा राजनीतिक परिवार, न वर्षों का चुनावी अनुभव, न पारंपरिक शैली का भाषण फिर भी जनता उन्हें सुन रही है। यह घटना अपने आप में भारतीय राजनीति के बदलते स्वरूप को दर्शाती है।

कहा जा रहा है कि पहली बार चुनाव लड़कर मुख्यमंत्री पद तक पहुँचना केवल व्यक्ति की सफलता नहीं बल्कि जनता के मन में जमा उस असंतोष का परिणाम है जो वर्षों से विकल्प खोज रहा था। लोग अब यह महसूस करने लगे हैं कि राजनीति केवल अनुभवी चेहरों का खेल नहीं रह गई। यदि कोई व्यक्ति ईमानदारी, स्पष्टता और जनभावनाओं के साथ खड़ा होता है तो जनता उसे स्वीकार कर सकती है।

आज का मतदाता पहले की तुलना में अधिक सजग है। वह अब केवल बड़े बड़े भाषणों से प्रभावित नहीं होता। जनता यह देखने लगी है कि कौन नेता चुनाव के बाद भी उनके बीच आता है। किसकी राजनीति सोशल मीडिया तक सीमित है और कौन वास्तव में समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का प्रयास कर रहा है।

रामराज्य की अवधारणा भी वर्तमान समय में इसी संदर्भ में नए अर्थ ग्रहण करती दिखाई देती है। रामराज्य का अर्थ केवल धार्मिक प्रतीक या सांस्कृतिक नारा नहीं है। वर्तमान संदर्भ में रामराज्य का अर्थ ऐसी व्यवस्था से है जहाँ शासन पारदर्शी हो, न्याय सुलभ हो, गरीब सम्मान के साथ जीवन जी सके और सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो।

गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में लिखा
*दैहिक दैविक भौतिक तापा। *रामराज नहिं काहुहि व्यापा॥*

अर्थात रामराज्य में व्यक्ति भय, अन्याय और असुरक्षा से मुक्त था। आज यदि इस श्लोक को वर्तमान राजनीति से जोड़कर देखें तो इसका अर्थ होगा ऐसा शासन जहाँ बेरोजगार युवा निराश न हो, किसान आत्महत्या न करे, मजदूर उपेक्षित न रहे और आम नागरिक न्याय के लिए दर दर न भटके।

रामराज्य की दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता थी सामाजिक समरसता

सब नर करहिं परस्पर प्रीती।

आज समाज में बढ़ती कटुता, राजनीतिक ध्रुवीकरण और निरंतर बढ़ती वैचारिक हिंसा को देखकर यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीति समाज को जोड़ रही है या बाँट रही है।

भगवान श्रीराम ने अपने जीवन में यह सिद्ध किया कि नेतृत्व का अर्थ केवल शासन करना नहीं बल्कि लोगों के हृदय में स्थान बनाना है। उन्होंने वनवासी, निषादराज, शबरी और साधारण जनों को अपने जीवन का हिस्सा बनाया। उन्होंने यह नहीं पूछा कि कौन किस जाति या वर्ग से है। यही कारण है कि राम आज भी केवल राजा नहीं बल्कि लोकनायक माने जाते हैं।

महाभारत की विदुर नीति में कहा गया है-

प्रजा सुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हिते हितम्।

राजा का सुखप्रजा के सुख में होना चाहिए। लेकिन आज की राजनीति में अक्सर यह उल्टा दिखाई देता है। जनता परेशान रहती है और सत्ता प्रचार में व्यस्त रहती है।

एक हास्य प्रसंग बहुत प्रसिद्ध है। एक राजा ने अपने दरबारियों से पूछा कि मेरे राज्य में सबसे सुखी कौन है तो सभी दरबारी बोले, महाराज आपकी प्रजा बहुत सुखी है। तभी एक बुजुर्ग मंत्री धीरे से बोला। महाराज यदि प्रजा इतनी सुखी होती तो आपके दरबार के बाहर शिकायतों की लाइन इतनी लंबी न होती।

राजा नाराज हो गया। मंत्री मुस्कुराया और बोला सच्चाई अक्सर धीमी आवाज में बोलती है महाराज इसलिए सत्ता उसे सुन नहीं पाती। यह प्रसंग आज की राजनीति पर भी सटीक बैठता है। तानाशाही केवल डंडे से नहीं आती, कभी कभी अत्यधिक प्रशंसा भी शासक को वास्तविकता से दूर कर देती है।

आज जनता पुराने राजनीतिक रंग ढंग से ऊब चुकी है। लोग यह महसूस कर रहे हैं कि हर पुरानी पार्टी को स्वयं को बदलने की आवश्यकता है। केवल नारे बदलने से राजनीति नई नहीं होती। राजनीति तब बदलती है जब नेता जनता को सुनना शुरू करता है।

विजय जोसेफ जैसे नए चेहरे इसी बदलाव के प्रतीक बनते दिखाई दे रहे हैं। चाहे उनके विचारों से सहमति हो या असहमति लेकिन यह स्पष्ट है कि जनता अब नए प्रयोगों को अवसर देने के लिए तैयार है।

आज की राजनीति में सबसे अधिक आवश्यकता स्व मूल्यांकन की है। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल भावनात्मक नारों से प्रभावित नहीं होती। वह शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, पारदर्शिता और सम्मानजनक जीवन चाहती है।

रामराज्य की आधुनिक परिभाषा यही हो सकती है, ऐसा शासन जहाँ सत्ता भय का नहीं बल्कि विश्वास का माध्यम बने। जहाँ नेता प्रचार से अधिक सेवा पर ध्यान दें। जहाँ गरीब केवल वोट बैंक न होकर नीति का केंद्र बने। जहाँ जल, जंगल और जमीन पर सबसे पहला अधिकार उस समाज का माना जाए जो सदियों से उनसे जुड़ा हुआ है। जहाँ लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित न रहे बल्कि जनता की निरंतर भागीदारी से मजबूत हो।

आज यदि राजनीति वास्तव में जनता का विश्वास जीतना चाहती है तो उसे प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठकर सेवा की भावना अपनानी होगी। जनता अब विकल्प खोज रही है और जो दल या नेता जनता की भाषा, पीड़ा और अपेक्षाओं को समझेंगे वही भविष्य की राजनीति को दिशा देंगे। इतिहास गवाह है। सिंहासन हमेशा स्थायी नहीं होते लेकिन जनता की स्मृति बहुत गहरी होती है। जनता देर से निर्णय लेती है पर जब लेती है तो इतिहास बदल देती है।

(लेखक गैर राजनीतिक, समाजसेवी, लेखक तथा आर्य समाज के सुप्रसिद्ध विचारक एवं चिंतक हैं)

ऑयल पॉम खेती को मिलेगा बढ़ावा

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

किसानों को मिलेगा अनुदान, पौध रोपण से लेकर सिंचाई और फेंसिंग तक मिलेगी आर्थिक सहायता

किसानों की आय बढ़ाने और वैकल्पिक लाभकारी खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल पॉम योजना अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए जिला मुंगेली को 50 हेक्टेयर का भौतिक लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों को ऑयल पॉम की व्यावसायिक खेती अपनाने के लिए आकर्षक अनुदान और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। यह योजना किसानों को परंपरागत खेती के साथ-साथ अधिक लाभकारी और आधुनिक कृषि पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

उद्यानिकी विभाग की सहायक संचालक ने बताया कि ऑयल पॉम का रोपण त्रिकोणीय आधार पर 99 मीटर दूरी में किया जाता है, जिसमें प्रति हेक्टेयर 143 इम्पोर्टेड टेनेरा किस्म के पौधे लगाए जाते हैं। यह फसल किसानों के लिए दीघर्कालीन आय का मजबूत स्रोत मानी जा रही है। केंद्र शासन द्वारा ऑयल पॉम पौध रोपण के लिए विभिन्न मदों में अनुदान का प्रावधान किया गया है। इसके तहत पौध रोपण के लिए प्रति हेक्टेयर 29 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा। वहीं पौधों के रखरखाव, खाद, दवा, उर्वरक एवं सिंचाई कार्यों के लिए चार वर्षों तक प्रति हेक्टेयर 05 हजार 250 रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।

इसके अलावा अंतरवर्तीय फसल लगाने हेतु भी चार वर्षों तक प्रति हेक्टेयर 5 हजार 250 रुपये का अनुदान मिलेगा। ड्रीप सिंचाई स्थापना के लिए प्रति हेक्टेयर 31 हजार 399 रुपये की इकाई लागत पर लघु एवं सीमांत कृषकों को 55 प्रतिशत तथा अन्य कृषकों को 45 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। योजना अंतर्गत 2 हेक्टेयर या उससे अधिक क्षेत्र में ऑयल पॉम लगाने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति, लघु, सीमांत एवं महिला कृषकों को डीजल अथवा इलेक्ट्रिक पंप हेतु 10 हजार रुपये तथा अन्य कृषकों को 8 हजार रुपये तक की सहायता मिलेगी।

वहीं सिंचाई सुविधा उपलब्ध नहीं होने पर बोरवेल खनन एवं पंप स्थापना के लिए अधिकतम 50 हजार रुपये अथवा 50 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान भी किया गया है। ऑयल पॉम प्रक्षेत्र में वर्मी कम्पोस्ट यूनिट निर्माण हेतु भी 15 हजार रुपये तक की सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त राज्य शासन द्वारा रखरखाव, अंतरवर्तीय फसल, ड्रीप स्थापना और फेंसिंग के लिए अतिरिक्त टॉप-अप अनुदान भी प्रदान किया जाएगा। जिले के इच्छुक किसान योजना का लाभ लेने उद्यान अधीक्षक शासकीय उद्यान रोपणी बाघामुड़ा, सारधा एवं सेन्दरी में संपर्क कर आवेदन जमा कर सकते हैं।

आपके लिए हानिकारक होते हैं केमिकल में पकाए हुए फल

दूध और हरी सब्जियों के अलावा फल भी हमारी सेहत के लिए अच्छे माने जाते हैं। सेब, अनार, केला, संतरा और पपीता ऐसे फल हैं, जो पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। अगर आप सप्ताह में दो दिन किसी भी फल का सेवन करते हैं, तो आप बीमारियों से बचे रहने के साथ आपकी इम्युनिटी भी बढ़ती है लेकिन क्या आप जानते हैं कि नेचुरल तरीके से पके फल ही आपकी सेहत के लिए अच्छे होते हैं। केमिकल में पकाए हुए फल आपके लिए बहुत हानिकारक होते हैं। ऐसे में आपको पहचान होनी चाहिए कि जो फल आप खा रहे हैं, कहीं वे किसी केमिकल में तो नहीं पकाए गए हैं।

- केमिकल्स से पके फलों को पहचानने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आपको उस फल पर हरे पैचेज देखने को मिलेंगे। जिस हिस्से पर केमिकल लगा होगा, वे पीला रहेगा बाकी बीच-बीच में हरा दिखाई देगा, जबकि प्राकृतिक रूप से पके हुए फल में हरे-पीले रंग के कोई पैचेज नहीं दिखाई देंगे।
- केमिकल से पकाए हुए आम को काटने पर वे अंदर से कहीं पर पीला तो कहीं पर सफेद रंग का नजर आएगा। जबकि पेड़ पर प्राकृतिक रूप से पका हुआ फल पूरी तरह पीला नजर आता है।
- केमिकल से पके हुए फल का छिलका ज्यादा पका हुआ होगा लेकिन अंदर से इसमें कच्चापन हो सकता है।
- केमिकलयुक्त फल खाने पर मुंह का स्वाद कसैला हो जाता है और मुंह में हल्की जलन भी होने लगती है। इसके अलावा कई बार ऐसे फल खाने के कुछ देर बाद पेट दर्द या उल्टी की समस्या या डायरिया की शिकायत भी हो सकती है।

रखें सावधानियां

- आपको बाजार से लाकर फल को और भी अच्छी तरह धो लेना चाहिए। फल खरीदकर लाने के तुरंत बाद उसे पानी से अच्छी तरह धो लें।
- खाने से पहले आम को गुनगुने पानी में कम से कम 5 मिनट के लिए भिगोकर जरूर रखें। उसके बाद उन्हें दोबारा दूसरे पानी से धोकर ही खाएं।

ड्योडरेंट, परफ्यूम, जैसे केमिकल व गैस वाली चीजों को सूंघने से पड़ सकता है कार्डियक अरेस्ट

शरीर की पांच इंद्रियों में से एक सूंघने की शक्ति है। कुछ चीजों की गंध नाक और दिमाग को बहुत पसंद आती है। फूल, गीली मिट्टी से शुरू होकर यह ड्योडरेंट, परफ्यूम, पेंट, नेल पेंट रिमूवर, पेट्रोल, मिट्टी का तेल तक जा सकती है। मगर क्या आप जानते हैं कि ड्योडरेंट, परफ्यूम, जैसे केमिकल व गैस वाली चीजों को सूंघने से कार्डियक अरेस्ट पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक डॉनकेस्टर में रहने वाले 12 साल के लड़के को कथित तौर पर पसीना रोकने वाला ड्योडरेंट सूंघना भारी पड़ गया। वह सोशल मीडिया पर चल रहा ट्रेंड फॉलो कर रहा था, जिसमें ड्योडरेंट की कैन से पदार्थ सीधा सूंघना था। इंटरनेट पर चल रहे इस ट्रेंड को काफी फैन्सी नाम दिया गया है। इस ट्रेंडल को क्रोमिंग कहते हैं। इसमें ड्योडरेंट, हेयरस्प्रे, नेल पेंट रिमूवर, पेट्रोल आदि को सूंघना होता है। इस इंटरनेट स्लैंग का जन्म ऑस्ट्रेलिया में माना जाता है। जिसका शरीर पर खतरनाक असर हो सकता है और जान जा सकती है।

लड़के को आया कार्डियक अरेस्ट

रिपोर्ट में पीड़ित की मां ने बताया कि पदार्थ सूंघने के बाद उसे जमीन पर दौरे आ रहे थे। उसे तुरंत सीपीआर दिया गया और एंबुलेंस को बुलाया गया। अस्पताल में पहुंचकर और दौरे पड़े और कोमा की स्थिति में पहुंच गया।

क्रोमिंग कैसे करते हैं?

द रॉयल चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल मेलबर्न के मुताबिक क्रोमिंग का असली मतलब क्रोम-बेस्ड पेंट को सूंघना था। मगर समय के साथ यह बदल गया है और इसमें नशा करने के लिए खतरनाक चीजों का इस्तेमाल करना भी जुड़ गया है। इसमें लोग कपड़े पर पदार्थ डालकर या सीधा कंटेनर से उसे भारी मात्रा में सूंघते हैं।

इन चीजों से होती है क्रोमिंग

- पेट्रोल या मिट्टी का तेल या उससे बनी चीजें
- पेंट थिनर, स्प्रे पेंट, परमानेंट मार्कर
- नेल पोलिश रिमूवर
- हेयरस्प्रे, ड्योडरेंट, लाइटर फ्लूइड, आदि
- क्रोमिंग का खतरनाक असर
- क्रोमिंग का खतरनाक असर
- सिरदर्द, चक्कर आना
- धड़कन तेज होना, टैकिडाइस्रिदमिया
- दौरे पड़ना
- डिस्पोनिया
- डिमेंशिया, एटेक्सिया
- कार्डियक अरेस्ट, आदि

कैसे पड़ता है कार्डियक अरेस्ट का अटैक

कार्डियक अरेस्ट दिल से जुड़ा अटैक है। इसमें दिल अचानक से धड़कना बंद कर देता है। इसकी वजह से दिमाग को ताजा और ऑक्सीजन से भरपूर खून नहीं मिला पाता और बेहोशी या मौत हो सकती है। इस स्थिति में मरीज को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए।

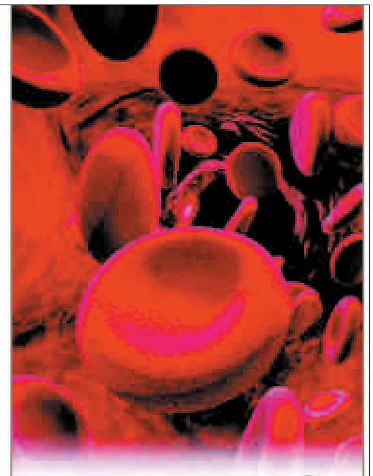

खानपान के माध्यम से आसानी से बढ़ाएं प्लेटलेट्स

एक स्वस्थ शरीर की निशानी है शरीर में प्लेटलेट्स की सही मात्रा होना एवं उनका सही तरीके से काम करना। लेकिन प्लेटलेट्स की कमी होने का नुकसान आपके शरीर एवं स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता है। अपने खानपान के माध्यम से आप आसानी से प्लेटलेट्स की संख्या में इजाफा कर सकते हैं।

- प्रोटीन, विटामिन ए, सी, के, फोलेट, जिंक, फोलिक एसिड, सेलेनियम आदि पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेना, प्लेटलेट्स में वृद्धि करने में कारगर उपाय साबित होगा।
- अपनी डाइट में दही, आंवला, लहसुन, ग्रीन टी के साथ ही नारियल पानी और अनार, पपीता, सेब, चुकंदर जैसे फलों को भी शामिल करें साथ ही पपीते के पत्तों का रस पीना भी एक लाभप्रद उपाय है।
- रोजाना एलोवेरा का सेवन भी इसके लिए फायदेमंद है। 20 से 25 ग्राम की मात्रा में प्रतिदिन एलोवेरा का गुदा खाएं या फिर इसका जूस बनाकर पिएं।
- व्हीटग्रास यानि ज्वारों का उपयोग भी प्लेटलेट्स को बढ़ाने में काफी मददगार है। रोजाना सुबह खाली पेट ज्वारे का रस निकालकर पीने से धीरे-धरे प्लेटलेट्स की संख्या में इजॉफा होगा।
- गिलोय का प्रयोग भी इसके लिए एक रामबाण उपाय है। गिलोय को तुलसी के साथ मिलाकर दोनों को अच्छी तरह उबालें और काढ़ा तैयार करें। इस काढ़े का रोजाना प्रयोग लाभदायक होगा।

आम तौर पर खून की कमी को एनीमिया के रूप में देखा जाता है। आयरन की कमी होना भी इसका एक प्रमुख कारण है। छोटे बच्चों, महिला खिलाड़ियों, सर्जरी या एक्सीडेंट के मरीजों में एनीमिया का खतरा अधिक होता है।

वहीं महिलाओं में माहवारी के दौरान होने वाले रक्तस्त्राव एवं गर्भावस्था के कारण यह समस्या हो सकती है।

रक्ताल्पता से बचने के आसान टिप्स

- एनीमिया की समस्या से बचने के लिए, रेड मीट, सी-फूड और अंडा फायदमंद होता है। लेकिन अगर आप शाकाहारी हैं, तो सोयाबीन, मटर, सूखे मेवे और एप्रिकॉट आपके लिए बेहतर विकल्प है।
- ताजी हरी सब्जियों के साथ मक्का और अलग-अलग तरह की दालों को अपने भोजन में शामिल करें। इससे शरीर में आयरन की कमी नहीं होगी, जो एनीमिया का प्रमुख कारण है।
- नाश्ते और खाने में फलों को शामिल करें। इनमें मौजूद विटामिन-सी, शरीर में आयरन को सोखने में एवं उसकी क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है।
- चाय या कॉफी को ज्यादा कड़क करके न पिएं, इससे शरीर को आयरन को सोखने में कठिनाई होती है ।
- बगैर डॉक्टर की सलाह के, आयरन की गोलियों का सेवन बिल्कुल न करें। खून की जांच और डॉक्टर की सलाह लेने के बाद ही इनका सेवन करें, क्योंकि शरीर में आयरन की अधिकता आपके लिए मुसीबत बन सकता है।

स्किन एलर्जी से परेशान लोग

अपनाएं ये घरेलू उपाय

घरेलू उपचार हमेशा से ही भारतीय घरों का हिस्सा रहे हैं। यदि पेट में दर्द हो या फिर कहीं चोट-खरोंच लग गई हो, घर वाले डॉक्टर के जाने से पहले घरेलू नुस्खे आजमाने की नसीहत देंगे। इन घरेलू उपचारों में काफी दम होता है, इसलिए यह स्किन में होने वाली छोटी-मोटी एलर्जी को भी ठीक कर सकते हैं। स्किन एलर्जी आज-कल हर किसी के लिए समस्या बनी हुई है। कभी किसी खाने के चलते तो कभी किसी क्रीम या कॉस्मेटिक के चलते स्किन पर रैशेज, पिंपल और खुजली की समस्या होने लगती है, जो कई बार चेहरे और शरीर पर कई तरह के निशान भी छोड़ जाती है। स्किन एलर्जी फूड एलर्जी से काफी अलग होती है और काफी परेशान भी करती है। स्किन एलर्जी में कई बार शरीर में दाने, या फिर हल्के लाल धब्बे आने लगते हैं। स्किन एलर्जी खासकर तब होती है, जब कोई इरिटेंट या फिर एलर्जी आपकी त्वचा के संपर्क में आती है और आपका इम्यून सिस्टम उन्हें रोकने के लिए एंटीबॉडी रिलीज करती है। कई बार यह एलर्जी सामान्य तो कभी गंभीर हो सकती है। अगर आप भी त्वचा की एलर्जी के लक्षण खुद में नजर आ रहे हैं, तो तुरंत राहत पाने के लिए आप इन घरेलू उपायों को अपना सकते हैं-

नारियल का तेल

नारियल का तेल स्किनकेयर के लिए सबसे बेहतरीन तेल है। इसमें मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं जो एलर्जी होने की स्थिति में यह त्वचा को सुरक्षित करता है। यही नहीं, नारियल का तेल एलर्जी के कारण होने वाली खुजली को भी कम करता है।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में थोड़ा सा नारियल तेल लें और इसे 5 सेकेंड के लिए थोड़ा गर्म करें। फिर इस गर्म तेल को उस जगह पर लगाएं, जहां आपको एलर्जी के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। याद रहे इसे एलर्जी वाले जगह पर लगाकर छोड़ दें, मालिश न करें। इसे एक घंटे के लिए छोड़ दें। आप नारियल तेल का इस्तेमाल 3-4 घंटों के बाद फिर कर सकते हैं। इससे स्किन एलर्जी से छुटकारा मिलेगा।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर को सामान्य तौर पर लोग वजन कम करने और पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए करते हैं। लेकिन, यह सिर्फ वजन कम करने या डायजेशन को ठीक करने में ही नहीं, बल्कि शानदार स्किनकेयर एजेंट भी है। इसमें एसिटिक एसिड होता है जो त्वचा में होने वाली खुजली और एलर्जी के प्रभाव को कम ककरात है। हालांकि, सेंसेटिव स्किन पर इसके इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कप गर्म पानी में एक टेबलस्पून एप्पल साइडर विनेगर मिलाएं। अब कॉटन की हेल्प से इस मिश्रण को इफेक्टिव एरिया में लगाएं। अब इसे सूखा होने के लिए छोड़ दें और फिर ठंडे पानी से धो लें। स्किन एलर्जी से छुटकारा पाने के लिए दिन में कम से कम दो बार ऐसा कर सकते हैं।

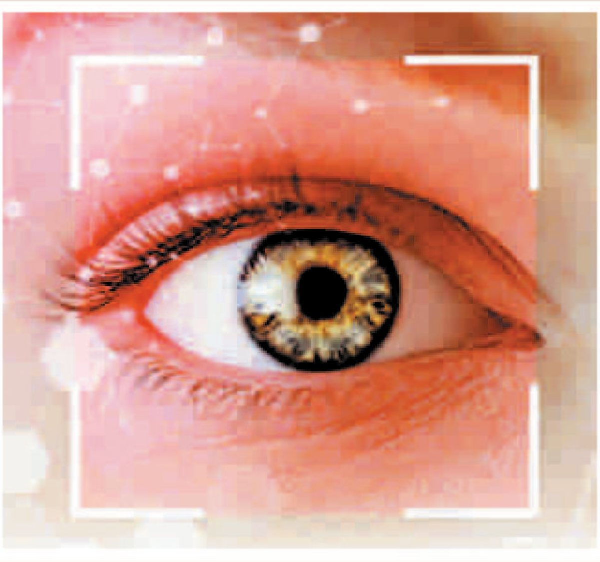

आंखों में ताजगी भरकर शरीर को बनाएं एनर्जेटिक

लंबे समय तक काम करने, मोबाइल पर व्यस्त रहने या टीवी देखने के कारण भी आंखों में थकान हो जाती है। इस कारण पूरे चेहरे का नूर गायब हो जाता है। साथ ही आप मानसिक रूप से भी थका हुआ अनुभव करने लगते हैं। यहां बताए गए तरीकों से आंखों में ताजगी भरकर आप पूरे शरीर को एनर्जेटिक बनासकते हैं.

आपके शरीर पर थकान का सबसे पहला असर आपकी आंखों पर दिखता है। आंखें इतनी अधिक संवेदनशील होती हैं कि आप शारीरिक और मानसिक तौर पर कैसा अनुभव कर रहे हैं, इसकी साफ-साफ झलक आपकी आंखों में देखी जा सकती है। थकान होने पर आंखों के चारों तरफ काले घेरे अधिक डार्क हो जाते हैं और आंखों की चमक फीकी पड़ जाती है। यहां जानें इस स्थिति में किस तरह आंखों में तुरंत चमक बढ़ाई जा सकती है और थकान को दूर किया जा सकता है.

आंखों की थकान दूर करने का सबसे आसान तरीका

- बोझिल आंखों में नई जान फूंककर फिर से चमक बढ़ानी है तो अपने दोनों हाथों की हथेलियों को आपस में रगड़ें।
- थेली रगड़ने की शुरुआत धीमी गति से करें और फिर धीरे-धीरे स्पीड बढ़ा दें। जब हथेलियां पूरी तरह गर्माहट देने लगें तो धीमी गति के साथ ही इन्हें रगड़ना बंद करें और अपनी आंखों पर 30 सेकंड्स के लिए रख लें।
- एक समय पर आप दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएं आपको बहुत अधिक लाभ मिलेगा। क्योंकि हथेलियों को रगड़ने से एक्युप्रेशर पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है और शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है।
- हथेलियों की गर्माहट से आंखों का तनाव कम होता है और शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से स्फूर्ति आती है।

आंखों की थकान दूर करने का तरीका

आंखों को ठंडे पानी से धोएं

- आंखों की थकान दूर करने का दूसरा आसान तरीका है कि आप अपनी आंखों को ठंडे पानी से धुलें। इसके लिए फ्रिज का पानी और सामान्य पानी को आधा-आधा मिला लें। अब इस पानी से आंखों पर छींटे दें। आपको तुरंत ताजगी का अनुभव होगा।

ठंडे दूध का उपयोग

- फ्रिज में रखे हुए दूध को दो चम्मच निकाल लें। अब इस दूध में रुई को भिगोकर दोनों आंखों पर रख लें। करीब 3 से 4 मिनट के लिए रूई को आंखों पर रखने के बाद इसे हटा दें और आखों को ताजे पानी से साफ कर लें। आप एक नई ऊर्जा का संचार अपने अंदर अनुभव करेंगे।

बर्फ से सेक करें

- आंखों के नीचे की सूजन कम करने, डार्क सर्कल का असर हटाने और थकान मिटाने के लिए आप आइस क्यूब्स का उपयोग करें।
- फ्रिज से आइसक्यूब निकालें उसे हल्का-सा धुल लें। इसके बाद कॉटन के साफ रुमाल में लपेटकर आंखों की सिकाई करें। बस 2 से 3 मिनट की सिकाई काफी है और आपकी आंखों में ताजगी नजर आएगी।

बिहार की मिट्टी में सम्मानित होना सबसे बड़ी खुशी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री संजना पांडे को हाल ही में आयोजित प्रतिष्ठित 'जी भोजपुरी 2026' समारोह में उनकी फिल्म 'कलेक्टर साहिबा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (समीक्षक) और 'बहुमुखी अभिनेत्री' के सम्मान से नवाजा गया। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए से अपनी इस बड़ी उपलब्धि को शेयर करते हुए प्रशंसकों और फिल्म की टीम का आभार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पुरस्कार समारोह की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे अपनी ट्रॉफी के साथ गौरवान्वित महसूस करती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट किया कि उनके लिए केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक पल है।

अभिनेत्री ने लिखा, 'जिस बिहार की मिट्टी में आप पले-बढ़े हो और उसी से आपकी पहचान जुड़ी है, उसी धरती पर सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है।' अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए अपनी सफलता का श्रेय टीम दिया। उन्होंने फिल्म निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी और सह-अभिनेता गौरव झा का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने लेखक अरविंद तिवारी और फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों और तकनीशियनों के प्रति भी आभार प्रकट किया। संजना ने कहा कि टीम वर्क और सबके समर्थन के बिना यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था।

संजना ने अपने संदेश के अंत में अपने परिवार, दर्शकों और ईश्वर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने एक लिखा, 'जब आप काम पूरी मेहनत शिद्दत और ईमानदारी से करते हो तो देखने वाले देख ही लेते हैं। जय भोजपुरी। जय भोजपुरी समाज।'

इश्तियाक शैख बंटी द्वारा निर्देशित फिल्म में संजना पांडेय और गौरव झा के अलावा विनोद मिश्रा, अमित शुक्ला प्रकाश जैस, साहिल सिद्दीकी, सुबोध सेठ, रिंकू भर्ती, स्वीटी सिंह संतोष श्रीवास्तव, कंचन मिश्रा, निशा तिवारी और प्रेरणा सुषमा जैसे कलाकार हैं। संजना की इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म को टेलीविजन और यूट्यूब दोनों में प्रसारित किया था। यूट्यूब पर रिलीज के 13 घंटों के अंदर ही फिल्म को 18 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके थे।

खुद की काबिलियत पर भरोसा करें महिलाएं

मेहनत से मिलती है कामयाबी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेर रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपना नया लुक शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने भारतीय महिला की पहचान को लेकर एक बेहद दिलचस्प और दिल छू लेने वाली बात कही है। हुमा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस लेटेस्ट लुक की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वे ब्लैक कलर के खूबसूरत वनपीस आउटफिट में नजर आ रही हैं। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'मेरे लिए एक आधुनिक भारतीय महिला होने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है, बल्कि अपनी जड़ों (संस्कृति) को छोड़े बिना अपनी मेहनत के दम पर दुनिया में धीरे-धीरे आगे बढ़ना है। खुद को बदले बिना दुनिया में अपनी एक अलग और नई पहचान बनाना ही सबसे बड़ी खूबी है।' हुमा ने महिलाओं का हौसला बढ़ाते हुए लिखा, 'जीवन में मुश्किलों से डरने के बजाय उन्हें अपनी असली ताकत बनाना चाहिए। अपने सपनों को खुलकर और खूबसूरती से जीना जरूरी है। जब आप किसी ऊंचे मुकाम पर पहुंचें, तो आपके मन में यह पक्का विश्वास होना चाहिए कि आप यहां सिर्फ अपनी किस्मत के भरोसे नहीं, बल्कि अपनी कड़ी मेहनत के दम पर पहुंची हैं।'

अभिनेत्री ने आखिर में लिखा कि हर महिला को हमेशा पूरी सच्चाई और आत्मविश्वास के साथ अपनी जिंदगी जीनी चाहिए। उन्होंने लिखा, 'जिंदगी में जब भी कोई नया मोड़ आए, तो उसे अपनी सकारात्मकता से खास बना देना चाहिए। फिर मिलेंगे कान्स में।'

अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में नजर आएंगी। यश की इस बहुचर्चित पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में अभिनेत्री 'एलिजाबेथ' का किरदार निभा रही हैं। गीतु मोहनदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनका लुक बेहद रहस्यमयी और शाही है। यह फिल्म 1940 से 1970 के दशक के बीच के गोवा पर आधारित एक डार्क गैंगस्टर ड्रामा है। इसमें क्राइम सिंडिकेट, ड्रग तस्करी और सत्ता की लड़ाई दिखाई जाएगी। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मणी वसंत भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

रुबीना दिलैक ने बताई इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई

मां बनने के बाद नहीं मिलता काम

दुनिया का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो जहां महिलाएं पुरुष के साथ कदम से कदम मिलाकर न चल रही हों, मगर अभिनेत्री रुबीना दिलैक का मानना है कि महिलाओं के साथ भेदभाव बरकरार है। अभिनेत्री ने मां बनने के बाद अभिनेत्रियों को काम न मिलने की वजह पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में पुरानी सोच अभी भी बनी हुई है, जिसकी वजह से नई माओं को प्रोजेक्ट्स से बाहर रखा जाता है। रुबीना दिलकै ने बातचीत में बताया कि मेकर्स को लगता है कि जिस अभिनेत्री ने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया है, उसमें अब पहले जितना स्टैमिना, जुनून और मेहनत करने की क्षमता नहीं रही। वे सोचते हैं कि ऐसा होने से प्रोजेक्ट को नुकसान हो सकता है। रुबीना ने कहा, 'स्टडीज बताती हैं कि 62 प्रतिशत महिलाएं प्रेग्नेंसी के बाद काम पर वापस नहीं लौट पातीं क्योंकि समाज उन्हें स्वीकार नहीं करता। इंडस्ट्री भी उन्हें कमजोर समझती है। मेकर्स की सोच होती है कि अब उनके अंदर स्टैमिना नहीं बचा, आगे बढ़ने की चाहत नहीं रही, इसलिए वे खुद को साबित नहीं कर पाएंगी। ऐसे में उन्हें प्रोजेक्ट में रखना नुकसानदायक होगा।'

अभिनेत्री ने बताया कि समाज महिलाओं पर लगातार दबाव बनाए रखता है। उन्हें कभी भी पूरी आजादी नहीं मिलती कि वे अपनी मर्जी से जीवन जी सकें। हर समय उन्हें जज किया जाता है। कई महिलाएं इतनी मजबूत नहीं होतीं कि इस दबाव के बावजूद अपना आत्मविश्वास बनाए रख सकें। मां बनने के बाद रुबीना अपनी पर्सनल लाइफ के साथ प्रोफेशनल लाइफ को सफलतापूर्वक संभाल रहीं हैं। उन्होंने इसे दूसरी महिलाओं के लिए मिसाल बनाने का मौका बताया। रुबीना ने कहा, 'मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे काम जारी रखने का मौका मिला है।

'वेलकम टू द जंगल' में डबल रोल निभाएंगे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, दिशा पाटनी, जैकलीन, रवीना टंडन सहित कई चर्चित सितारों से सजी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। इतने सारे सितारे जहां होंगे, वहां एंटरटेनमेंट का तगड़ा डोज मिलना पक्का है। इस फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज हो चुका है और काफी धमाकेदार है। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का गाना आज सोमवार को आया है। इसमें एक्शन भी है, इमोशन भी हैं और भरपूर कॉमेडी का डोज है। जंगल का इलाका है और अक्षय कुमार अपनी टोली के साथ वहां मौजूद हैं। जंगल में एक से बढ़कर एक चैलेंज सामने आते हैं। पूरी टोली सर्वाइव करती है। साथ में मस्ती भी भरपूर होती है। इस टाइटल ट्रैक के जरिए यह बात कंफर्म हो चुकी है कि अक्षय कुमार का फिल्म में डबल रोल है।

कब रिलीज होगी 'वेलकम टू द जंगल'

अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह गाना साझा किया है। उन्होंने इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'इस जंगल में अब दहाड़ भी होगी और शोर भी होगा। फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज हो गया है'। यह फिल्म 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ग्लैमर के शोर में खो जाता है फिल्म फेस्टिवल का मकसद

अनुराग कश्यप अक्सर अपने तीखे बयानों के चलते सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने इस बात पर खुलकर अपनी राय रखी है कि भारत 2026 के कान फिल्म फेस्टिवल में किस तरह से हिस्सा ले रहा है। अनुराग कश्यप को 'ब्लैक फ्राइडे' और 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी अलग तरह की फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है।

कान बना रेड कार्पेट तमाशा

अनुराग कश्यप ने कहा कि भारत में कान जैसे बड़े इवेंट को अब सिनेमा के लिए एक गंभीर मंच के बजाय, ज्यादातर एक 'रेड-कार्पेट तमाशे' के तौर पर देखा जाने लगा है। उनके मुताबिक कान का असली सार अक्सर ग्लैमर के शोर-शराबे में कहीं खो जाता है।

अनुराग कश्यप ने कहा 'भारत में कान को लेकर सबसे बड़ी समस्या और जुनून सिर्फ रेड कार्पेट पर चलने की है। असल में यह फेस्टिवल फिल्में देखने, फिल्म निर्माताओं से मिलने और डिस्ट्रीब्यूटरों से बातचीत करने को लेकर है। ऐसी बातचीत जो यह तय करती है कि सिनेमा का भविष्य कैसा होगा। अनुराग कश्यप ने यह भी कहा कि भारत में लोगों का ध्यान इंडस्ट्री से जुड़ी सार्थक बातचीत के बजाय, ज्यादातर अपनी मौजूदगी दिखाने और पब्लिसिटी पाने पर ही टिका रहता है। उन्होंने यह सवाल उठाया कि क्या भारतीय सिनेमा सचमुच ऐसे वैश्विक मंचों पर सही लोगों को भेज रहा है? खासकर उन लोगों को, जो भारतीय फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मदद कर सकें।

फेस्टिवल में नजर क्यों नहीं आए अनुराग?

उन्होंने यह भी बताया कि कान फिल्म फेस्टिवल 2026 के दौरान, वे हर दिन कई फिल्में देखने के बावजूद, ज्यादा लाइमलाइट में न आकर सादगी से रहना ही पसंद करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि वे फेस्टिवल में ज्यादा नजर क्यों नहीं आते, तो उन्होंने कहा 'हम लोग साइड से चले जाते हैं।'

मैं तो रेंगकर ऊपर आया हूं और अपनी खुद की इंडस्ट्री बनाई

फिल्म 'लापता लेडीज' की रिलीज के समय तक सांसद व ऐक्टर रवि किशन को लगता था कि उन्हें हिंदी सिनेमा में कम आंका जा रहा है। फिलहाल, अब उनके लिए रोल लिखे जा रहे हैं। यही नहीं, उनके साथ भोजपुरी इंडस्ट्री के और भी कलाकारों की कद्र होने लगी है। उनके मुताबिक, भगवान शिव को ऐक्टर ने धारण कर रखा है और उनका अनुसरण करके ही वो निस्वार्थ भाव से देश की सेवा के लिए समर्पित हैं। इन दिनों वह 'मामला लीगल है 2' को लेकर चर्चा में हैं।

लोगों की पीड़ाओं को महसूस कर सकता हूं

मैं हालात का मारा इंसान हूं, जो बड़ी जिल्लतों और रिजेक्शन से निकलकर आया है इसलिए मुझमें कभी नेता वाले विचार नहीं आते। हां, मैं सेवक जरूर हूं। मैंने भगवान शिव को धारण किया है कि कंठ में विष है, ना उसे पेट के अंदर लेते हैं और ना ही समाज में बाहर निकालते हैं। मैं अपनी सारी पीड़ाओं, यातनाओं को जेहन में रखकर सिर्फ नि:स्वार्थ भाव से सेवा करता हूं। इसके लिए मैं बहुत सेंसटिव रहता हूं। गोरखपुर (संसदीय क्षेत्र) में जो भी मेरे पास आता है, उसकी सुनवाई होनी ही है। मेरे कार्यालय को निर्देश है कि कोई भी फरियादी दोबारा ना आए। एक बार में ही उसका काम हो जाना चाहिए। मैं एक कलाकार हूं और मैंने गरीबी देखी है इसलिए मैं लोगों की पीड़ाओं को महसूस कर सकता हूं।

600 से 700 लोग मेरे शरीर में रहते हैं

मेरे अनगिनत रूप हैं इसलिए जो भी किरदार मिलता है, उसे करता चला जाता हूं। शायद, यही वजह है कि मुझे कभी सोचने का समय ही नहीं मिला कि मेरी पसंद क्या है। अभी मैं एक और फिल्म कर रहा हूं करण जौहर की, उसमें इच्छाधारी अजगर बनकर आऊंगा, जो अपना स्पा चलाता है। जितने लोग असल जिंदगी में मिले हैं, जिन्होंने मुझे प्रभावित किया है, वो सब मेरे शरीर के अंदर से चिल्लाते हैं कि हम कब बाहर आएंगे। ऐसे 600 से 700 लोग अभी भी मेरे शरीर में रहते हैं।

रेंगकर यहां तक पहुंचा हूं

फिल्म 'लापता लेडीज' के बाद अब हिंदी सिनेमा में मेरे लिए रोल लिखे जा रहे हैं। ऐसे में उन सभी लोगों से कहना चाहूंगा, जो सिर्फ सिनेमा में ही नहीं अपनी दुनिया में संघर्ष कर रहे हैं। शराब ना पीएं, ड्रग्स से दूर रहें और सुइसाइड ना करें। आपको घबराना नहीं हैं। जिन्हें डर लगता है, उनको मुझे देखना चाहिए। मैं एक ऐसा इंसान हूं, जो मिट्टी के घर से निकलकर आज यहां तक पहुंचा है। मैं तो रेंगकर ऊपर आया हूं। अपनी खुद की इंडस्ट्री बनाई और खुद को सुपरस्टार घोषित किया।

लोगों ने नया कबूतर पकड़ लिया है

फिल्म धुरंधर को सबको सपोर्ट करना चाहिए था। वह सिर्फ सिनेमा है, कोई प्रपोगेंडा नहीं है। एक शब्द निकला है प्रोपोगेंडा, यह लोगों ने एक नया कबूतर पकड़ लिया है। यह सिनेमा है, इसे 'शोले' की तरह देखें। फिल्म में जो हुआ है, उसे ही बताया गया है। इसके जरिए एक बार फिर सिनेमाघरों में रोनक लौट आई है। इंडस्ट्री की बहुत बुरी हालत थी, लोग हॉल नहीं जा रहे थे। फिल्में नहीं चलेंगी तो लोगों को काम नहीं मिलेगा। मुंबई बहुत महंगा शहर है। ऐसे में ऐक्टर्स का सर्वाइव करना मुश्किल हो जाएगा। मेरी भी ख्वाहिश है कि मैं आदित्य धर के निर्देशन में काम करूं।

पहली बार सुना चूहा गांजा खाता है

मेरे जीवन का सबसे मुश्किल फैसला कलाकार बनना था। पिताजी पुजारी थे, वो इसके सख्त खिलाफ थे। उनको लगता था कि मैं सिर्फ डांसर बनकर रह जाऊंगा। उन्होंने कई बार पिटाई भी की लेकिन मैं नहीं रुका। मुझे लगता है कि मेरी और जहां तक भगवान शिव की भी इच्छा थी कि मैं ऐक्टर बनूं। वेब सीरीज में जज का किरदार निभाकर मुझे उनके काम करने के नियम, कानून क्या-क्या हैं, वो पता चले। सीरीज की कहानी सत्य घटनाओं से प्रेरित है तो सेट पर चर्चाएं हुआ करती थीं। इस दौरान मुझे पता चला कि चूहा गांजा खाता है। हाल ही में गुजरात में ऐसा मामला चर्चा का विषय बना, जिसमें बताया गया कि बीते 12 वर्षों में पकड़े गए 3620 किलोग्राम मादक पदार्थों में से 35 प्रतिशत चूहे खा गए।

भोजपुरी स्टार्स के टैलंट की कद्र हो रही है

रवि किशन और दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' दोनों कलाकार भोजपुरी इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते हैं। अब हिंदी सिनेमा में साथ काम करने को लेकर वे कहते हैं कि मैं बेहद खुश हूं। मैं हमेशा से यही चाहता था कि मेरे सभी जूनियर्स ग्रो करें। आगे भी मेरी ख्वाहिश है कि वो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना नाम रोशन करते रहें। मुझे भी उन सबके साथ काम करके मजा आता है। खास बात है कि उनका टैलंट अब दुनिया के सामने आ रहा है और लोग उसकी कद्र कर रहे हैं। यही हर स्टार का सपना होता है कि उसका काम लोगों के दिल-ओ-दिमाग में बस जाए।

छुईखदान जनपद में प्रशासनिक विवाद गहराया, सभापति पर केस के बाद निष्पक्ष जांच की मांग

सचिवों का वेतन रोकने का मुद्दा उठाने के बाद सुधीर गोलेछा पर लगे गंभीर आरोप, समर्थकों ने बताया साजिश

नई दृष्टिबिंदु / छुईखदान-खैरागढ़

जनपद पंचायत छुईखदान में प्रशासनिक अफसरों और जनपद सभापति सुधीर गोलेछा के बीच चल रहा विवाद अब तूल पकड़ गया है। ग्राम पंचायत सचिवों का वेतन रोके जाने पर सवाल उठाने के बाद सभापति गोलेछा के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज हुआ है। इस कार्रवाई के बाद जिले में पुलिस की कार्यप्रणाली और प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।

सुधीर गोलेछा ने प्रभारी सीईओ पर बिना ठोस कारण ग्राम पंचायत सचिवों का वेतन रोकने का आरोप लगाया था। उन्होंने इसे "प्रशासनिक मनमानी" बताते हुए उच्च-स्तरीय जांच की मांग की थी। इसके कुछ दिन बाद ही उन पर महिला अधिकारी से जुड़े गंभीर आरोपों में एफआईआर दर्ज की गई।

पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल

गोलेछा के समर्थकों का आरोप है कि महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी जानी चाहिए। इसके बावजूद एफआईआर और शिकायत का विवरण सोशल मीडिया और प्रेस में सामने आ गया। समर्थकों का कहना है कि प्रशासन के पास अगर डिजिटल साक्ष्य हैं तो उन्हें सार्वजनिक रूप से निष्पक्ष जांच के लिए पेश करना चाहिए था। उनका आरोप है कि बिना गहराई से जांच के एकतरफा कार्रवाई की गई।

स्थानीय स्तर पर चर्चा

स्थानीय लोगों और बुद्धिजीवियों का एक वर्ग कह रहा है कि गोलेछा पत्रकार और लेखक होने के साथ किसान आंदोलनों में भी सक्रिय रहे हैं। जनहित के मुद्दे उठाने के कारण वे प्रशासन के निशाने पर हैं। वहीं दूसरी ओर प्रशासन का पक्ष है कि कानून के मुताबिक कार्रवाई की गई है।

निष्पक्ष जांच की मांग

इस घटनाक्रम के बाद जिले के जागरूक नागरिक मामले की किसी निष्पक्ष एजेंसी से उच्च-स्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि वेतन विवाद और लगे आरोपों की सच्चाई सामने आनी चाहिए ताकि प्रशासन पर भरोसा बना रहे। फिलहाल पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

खास खबर

सखी वन स्टॉप सेंटर भर्ती के लिए अंतिम पात्र-अपात्र सूची जारी

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला कबीरधाम द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर में विभिन्न पदों पर नियुक्ति हेतु आमंत्रित आवेदनों की प्रक्रिया के अंतर्गत अंतिम पात्र-अपात्र सूची जारी कर दी गई है। विभाग द्वारा केन्द्र प्रशासक, सायको सोशल काउंसलर, पैरामेडिकल कार्मिक एवं कार्यालय सहायक पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी उपरांत अनंतिम पात्र-अपात्र सूची का प्रकाशन किया गया था तथा 01 अप्रैल 2026 से 09 अप्रैल 2026 तक दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई थी।

प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा नियमानुसार किया गया। दावा-आपत्ति निराकरण उपरांत अंतिम पात्र-अपात्र सूची तथा दावा-आपत्ति निराकरण संबंधी विवरण जिले की आधिकारिक वेबसाइट एवं विभागीय सूचना पटल पर प्रकाशित कर दिया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अंतिम रूप से पात्र पाए गए अभ्यर्थियों को मेरिट के आधार पर आगामी कौशल परीक्षा एवं साक्षात्कार हेतु पृथक से आमंत्रित किया जाएगा। अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे विभागीय वेबसाइट एवं सूचना पटल का नियमित अवलोकन करते रहें।

उत्कर्ष योजना : कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिए 26 जुलाई को लिखित परीक्षा का होगा आयोजन

कवर्धा। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिए 26 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजे से 02 बजे तक लिखित परीक्षा आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाती है। इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों में नई सोच का विकास करते हुए उन्हें बेहतर कैरियर चयन के लिए प्रतिस्पर्धी बनाना तथा उनके बहुमुखी व्यक्तित्व विकास हेतु समुचित अवसर प्रदान करना है। योजना अंतर्गत विद्यार्थी को कक्षा 6 वीं से 12वीं तक छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित उत्कृष्ट आवासीय विद्यालय में अध्ययन की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

जिले में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है -कलेक्टर गोपाल वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के पेट्रोल पंप डीलर्स एवं गैस एजेंसी संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने जिले में ईंधन एवं रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इस पर विशेष जोर दिया।

बैठक में कलेक्टर ने जिले में उपलब्ध पेट्रोल, डीजल और एलपीजी स्टॉक की जानकारी लेते हुए नियमित आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की। पेट्रोल पंप डीलर्स एवं गैस एजेंसी संचालकों ने बताया कि जिले में ईंधन एवं गैस की सप्लाई नियमित रूप से प्राप्त हो रही है तथा उपभोक्ताओं को निर्धारित व्यवस्था के अनुसार वितरण किया जा रहा है। श्री वर्मा ने कहा कि पेट्रोल पंपों का संचालन पूरी तरह व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि कई बार किसी पेट्रोल पंप पर कुछ समय के लिए आपूर्ति प्रभावित होने पर जिलेभर में पेट्रोल-डीजल खत्म होने की अफवाहें तेजी से फैलने लगती हैं, जिससे अनावश्यक घबराहट एवं विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है। ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए उपभोक्ताओं के साथ सतत एवं सकारात्मक संवाद बनाए रखना आवश्यक है।

कलेक्टर ने डीलर्स को निर्देशित करते हुए कहा कि डब्बों एवं कैनों में ईंधन की जमाखोरी करने वाले तत्वों पर विशेष नजर रखी जाए तथा संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना प्रशासन को दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम कमी पैदा करने अथवा अवैध भंडारण की किसी भी कोशिश को गंभीरता से लिया जाएगा। बैठक में गैस एजेंसी संचालकों से एलपीजी स्टॉक, प्रतिदिन की आवक तथा उपभोक्ताओं को किए जा रहे वितरण की विस्तृत जानकारी ली गई। संचालकों ने बताया कि गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है तथा बुकिंग के अनुसार वितरण किया जा रहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि गैस वितरण व्यवस्था सुचारू एवं व्यवस्थित बनी रहे तथा उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की अनावश्यक असुविधा न हो। कलेक्टर श्री वर्मा ने जिला खाद्य अधिकारी को पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी वितरण व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा किसी भी संभावित समस्या पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला खाद्य अधिकारी चंद्रशेखर देवांगन सहित जिले के पेट्रोल पंप डीलर्स एवं गैस एजेंसी संचालक उपस्थित रहे।

भारतीय सेना भर्ती : परीक्षा तिथि घोषित, एडमिट कार्ड जारी, 1 जून से 12 जून तक होगी परीक्षा

मोहला। भारतीय सेना में भर्ती वर्ष 2027 हेतु आयोजित होने वाली ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम की तारीख भारतीय सेना द्वारा घोषित कर दी गई है। विभिन्न श्रेणियों के लिए यह ऑनलाइन परीक्षा 1 जून से 5 जून तथा 8 जून से 12 जून 2026 तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा प्रदेश के पांच शहरों भिलाई, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर और जगदलपुर के कुल 10 परीक्षा केंद्रों में संपन्न होगी। सेना भर्ती कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रत्येक दिन ऑनलाइन परीक्षा 3 से 4 शिफ्टों में आयोजित की जाएगी।

परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी किए जाने शुरू हो चुके हैं। अभ्यर्थी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट https://www.joinindianarmy.nic.in से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे प्रवेश पत्र में दिए गए सभी निर्देशों का पालन करें तथा निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचे। किसी भी प्रकार की जानकारी या स्पष्टीकरण के लिए अभ्यर्थी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के समीप स्थित सेना भर्ती कार्यालय, नया रायपुर के दूरभाष नंबर 0771-2965212 एवं 0771-2965214 पर संपर्क कर सकते हैं।

दिग्विजय स्टेडियम को मिलेंगी स्टेट कैपिटल जैसी सुविधाएं

एस्ट्रो टर्फ, बैडमिंटन कोर्ट सहित कई प्रकार की मिलेंगी सुविधाएं, डॉक्टर रमन सिंह ने की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

खेल के क्षेत्र में राजनांदगांव को नई पहचान दिलाने के लिए दिग्विजय स्टेडियम में 29 लाख रुपए के विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है। बुधवार को स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इसकी घोषणा की। साथ ही वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने राजनांदगांव को सुविधाओं के मामले में रायपुर, भिलाई और दुर्ग जैसे 'स्टेट कैपिटल' शहरों की श्रेणी में शामिल करने की बात कही।

एस्ट्रो टर्फ का टेंडर पूरा, सीएसआर से बनेंगे कोर्ट

जिलाधीश जितेन्द्र यादव ने बताया कि स्टेडियम में एस्ट्रो टर्फ लगाने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं सीएसआर और एसईसीएल फंड से बैडमिंटन कोर्ट सहित अन्य सुविधाओं के लिए पत्राचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि खेल का मैदान युवाओं को नशे से दूर रखने का सशक्त माध्यम है। जिलाधीश ने बताया

कि डॉ. रमन सिंह ने उन्हें युवाओं के भविष्य को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया था।

पिछले काम ढाई साल में पूरे : सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि पिछली सरकार ने जो विकास कार्य पांच साल तक रोके रखे थे, उन्हें वर्तमान सरकार ने ढाई साल में पूरा किया है। उन्होंने स्टेडियम के नवनियुक्त पदाधिकारियों रमेश पटेल और योगेश बागड़ी को बधाई दी। पदभार ग्रहण करते ही खेल सुविधाओं के लिए 29 लाख के कार्यों की मांग रखी गई, जिसे तुरंत स्वीकृति दी गई।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने का संकल्प

नवनियुक्त सह-सचिव योगेश बागड़ी ने कहा कि जल्द ही राजनांदगांव के पुरुष और महिला खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय टीम में दिखेंगे। सचिव रमेश पटेल ने बताया कि उन्होंने यूनिवर्सिटी स्तर पर क्रिकेट खेला है और इसी स्टेडियम में खेल की बारीकियां सीखी हैं।

खिलाड़ियों व कोच का सम्मान

कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मृणाल चौबे मौजूद रहे। इस दौरान सभी खेल प्रशिक्षकों को शॉल-श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। आयोजन से खेल प्रेमियों में उत्साह है। उम्मीद है कि स्टेडियम आने वाले समय में खेल प्रतिभाओं की नसरी बनेगा।

सोमानी विद्युत वितरण केंद्र : 28 गांवों पर सिर्फ 2 कर्मचारी, बिजली कटौती से परेशान ग्रामीण

भाजपा नेता रमन सिंह राजपूत ने विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को सौंपा ज्ञापन, स्टाफ बढ़ाने की मांग

राजनांदगांव। ग्राम सोमानी स्थित विद्युत वितरण केंद्र के अंतर्गत आने वाले 28 गांवों में बिजली कटौती, लो वोल्टेज और लाइन गुल होने की समस्या से ग्रामीण परेशान हैं। कनिष्ठ अभियंता के अनुसार इस केंद्र में 11 पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में मात्र 2 ही कमर्चारी पदस्थ हैं। स्टाफ की कमी के कारण मरम्मत और रखरखाव कार्य में

लगातार दिक्कत आ रही है।

इसी समस्या को लेकर शुक्रवार 22 मई को भाजपा ग्रामीण मंडल सोमानी के महामंत्री रमन सिंह राजपूत ने राजनांदगांव स्थित स्पीकर हाउस में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से भेंट की। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की पदस्थापना की मांग की। डॉ. रमन सिंह ने मामले को गंभीरता से सुनते हुए आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उच्च अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ग्रामीणों को उम्मीद है कि स्टाफ बढ़ने से बिजली संबंधी समस्याओं का समाधान हो सकेगा।

जिला अस्पताल का किचन नए स्थल पर शिफ्ट, मिलेगा स्वच्छ भोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर जिला चिकित्सालय में आदर्श जन जागृति महिला स्वसहायता समूह द्वारा संचालित किचन को नए स्थल पर स्थानांतरित कर दिया गया है। अब यह किचन मुख्य भवन के सामने स्थित पुराने ओपीडी स्थल पर संचालित हो रहा है।

मरीजों को समय पर मिल रहा पौष्टिक आहार

नई व्यवस्था के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों को बिना व्यवधान के स्वच्छ, पौष्टिक और संतुलित आहार मिल रहा है। भर्ती मरीजों को प्रतिदिन समय पर नाश्ता और भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। किचन स्थल बदलने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का मॉडल उत्तर जारी, 30 मई तक करें दावा-आपत्ति

बिना प्रमाण के आपत्ति होगी अमान्य, डाक से नहीं होगी स्वीकार

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के तहत प्रयास आवासीय विद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्चयन परीक्षा का मॉडल उत्तर जारी कर दिया गया है। मॉडल उत्तर विभागीय वेबसाइट https://eklavya.cg.nic.in पर देखा जा सकता है।

30 मई तक जमा होगी आपत्ति

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय ने बताया कि मॉडल उत्तर पर दावा-आपत्ति 30 मई 2026 तक स्वीकार की जाएगी। अभ्यर्थी कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर दस्तावेजों और प्रमाण सहित आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। बिना प्रमाण के प्रस्तुत दावा-आपत्ति पूरी तरह अमान्य होगी।

विषय विशेषज्ञ लेंगे अंतिम निर्णय

प्राप्त आपत्तियों का परीक्षण विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा। विशेषज्ञों का निर्णय अंतिम और सवर्मान्य होगा। डाक के माध्यम से भेजी गई दावा-आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

खैरागढ़ के इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय का नाम बदला अब होगा राजकुमारी इंदिरा सिंह कला और संगीत विश्वविद्यालय

राज्यपाल और कुलपति के प्रयासों से मिली मंजूरी, राजपरिवार ने जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक राजधानी कहे जाने वाले खैरागढ़ के इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय का नाम अब संशोधित होकर राजकुमारी इंदिरा सिंह कला एवं संगीत विश्वविद्यालय हो गया है। प्रदेश शासन से स्वीकृति मिलने के बाद यह ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। विश्वविद्यालय का नया नाम खैरागढ़ राजपरिवार की सदस्य और स्वर्गीय राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह की सुपुत्री स्वर्गीय राजकुमारी इंदिरा के मूल नाम पर रखा गया है। लंबे समय से इसकी मांग की जा रही थी।

क्षेत्र में खुशी का माहौल

नाम परिवर्तन की खबर सामने आने के बाद खैरागढ़ सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने इसे खैरागढ़ की ऐतिहासिक विरासत के सम्मान का क्षण बताया है। क्षेत्रवासियों ने इसे खैरागढ़ के इतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धि करार दिया।

गौरतलब है कि इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय देश-विदेश में कला-संगीत के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

राजपरिवार के वर्तमान राजा आर्यव्रत सिंह ने जताया आभार

नाम परिवर्तन पर खैरागढ़ राजपरिवार के वर्तमान राजा आर्यव्रत सिंह एवं राजकुमारी शताक्षी सिंह ने राज्यपाल रमेन डेका और कुलपति प्रो. डॉ. लवली शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया है। राजा आर्यव्रत सिंह ने कहा कि यह केवल नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि खैरागढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता और राजपरिवार के योगदान को सम्मान देने का कार्य है। उन्होंने कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के विकास और अधोसंरचना विस्तार के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।

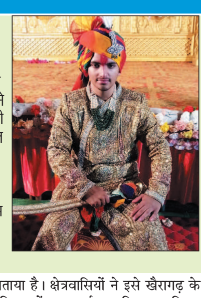

सड़क दुर्घटना को रोकने अवैध पार्किंग व यातायात बाधित करने वालों पर की गई कार्वाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फालोदी में घटित सड़क दुर्घटना के पश्चात जारी आवश्यक दिशा-निर्देशों के पालन में जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशन में राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध पार्किंग करने वाले वाहनों, यातायात बाधिक करने वालों एवं बिना कवर किए परिवहन किए जा रहे व्यावसायिक वाहनों के विरूद्ध सघन कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान विभिन्न वाहन चालकों से 35 हजार रूपए से अधिक की चालानी कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अनिल भगत ने बताया कि इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे स्थित विभिन्न ढाबों एवं पंचर दुकानों के संचालकों द्वारा सड़क किनारे अवैध रूप से टायर एवं अन्य सामग्री रखकर यातायात बाधित किए जाने की शिकायतों पर भी कार्रवाई की गई। सुगम एवं सुरक्षित यातायात के लिए संबंधित संचालकों को समझाइश देते हुए सड़क किनारे रखी गई सामग्री हटवाई गई। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा एवं आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने नागरिकों एवं वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने तथा राष्ट्रीय राजमार्ग को सुरक्षित बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है।

क्रेस्ट स्टील के मजदूर 7 दिनों से आंदोलन पर, समान काम-समान वेतन की मांग

शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने दिया समर्थन, प्रबंधन पर मनमानी का आरोप

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव ब्लॉक के ग्राम जोरातराई स्थित क्रेस्ट स्टील के मजदूर शोषण के खिलाफ पिछले 7 दिनों से आंदोलनरत हैं। मजदूर समान काम-समान वेतन की मांग कर रहे हैं। आरोप है कि उद्योग प्रबंधन मजदूरों की वाजिब मांगों को खारिज कर मनमानी पर अड़ा हुआ है।

गुरुवार को शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र उदय मुदलियार प्रदर्शनस्थल पहुंचे और आंदोलनरत मजदूर यूनियन को समर्थन दिया।

उन्होंने मजदूरों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान जनपद सदस्य मोहनीश धनकर भी उपस्थित रहे। मजदूरों का कहना है कि समान काम के बावजूद वेतन में भेदभाव किया जा रहा है। यूनियन ने प्रबंधन से तत्काल मांगें पूरी करने की अपील की है।

बेलौदी में सुशासन तिहार शिविर : 501 में से 283 आवेदनों का मौके पर हुआ निराकरण

2 हितग्राहियों को मिली राष्ट्रीय परिवार सहायता राशि, 5 को प्रधानमंत्री आवास की चाबी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सुशासन तिहार के तहत जनपद पंचायत दुर्ग क्षेत्र के ग्राम बेलौदी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में गुरुवार को जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 501 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 283 का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। शेष आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण किया जाएगा। शिविर में नगपुरा, बोरई, खुरसुल, दमोदा, अंजोरा ढा, ढाबा, भेंड़सर, डांडेसरा, पीपरछेड़ी, गनियारी, चिखली, कोटनी, मोहलई एवं बेलौदी गांवों के ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों पर आवेदन जमा किए।

विधायक बोले- एक छत के नीचे सभी विभाग

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि एक ही छत के नीचे सभी विभागों के स्टॉल लगाए गए हैं ताकि ग्रामीणों को चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन आवेदनों के निराकरण में समय लगेगा, आवेदकों को उसकी समय-सीमा बताना सुनिश्चित करें।

हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

विधायक चंद्राकर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दुखित राम, केशव, गायत्री, लता बाई और पावर्ती को आवास की चाबी सौंपी। मनरेगा के तहत 12 हितग्राहियों को जॉबकार्ड दिए गए। राष्ट्रीय परिवार सहायता के तहत श्रीमती शीला बाई भारती एवं श्रीमती तुलसी ढीमर के खाते में 20-20 हजार रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, पंचायत सदस्य जितेन्द्र यादव व प्रिया साहू, सरपंच ओमेश्वर यादव, जामवंती देशमुख, जिला मंत्री गिरेश साहू, एसडीएम हरवंश सिंह मिरी, जनपद सीईओ रूपेश पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

लक्ष्य दीवारों पर लिखें, रोज संकल्प याद दिलाएगा : डॉक्टर रमन सिंह

120 मेधावी विद्यार्थियों को विद्या विभूषण सम्मान, 5-5 हजार की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने गुरुवार को स्पीकर हाऊस राजनांदगांव में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 120 मेधावी विद्यार्थियों को विद्या विभूषण सम्मान 2026 से सम्मानित किया। उन्होंने सभी मेधावी विद्यार्थियों को 5-5 हजार रुपये प्रदान करने की घोषणा की।

दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं

अपने उद्बोधन में डॉ. रमन सिंह ने कहा कि बच्चों के चेहरे पर आत्मविश्वास की चमक दिख रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से पूछा कि वे जीवन में क्या बनना चाहते हैं। डॉ. सिंह ने कहा, आप जिस भी क्षेत्र में जाना चाहते हैं, उस लक्ष्य को घर के कमरे की दीवार पर लिखें। रोज पढ़ते समय यह दीवार आपको प्रेरणा देगी। दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भी असफल हुए थे, इसलिए असफलता से निराश न हों। सफलता के समीप हैं, यह समझें। उन्होंने बताया कि राजनांदगांव में नालंदा परिसर के रूप में राष्ट्रीय स्तर की सवर्सुविधायुक्त लाइब्रेरी बन रही है, जहां सभी प्रकार की किताबें उपलब्ध होंगी। इसका लाभ आने वाले वर्षों में विद्यार्थियों को मिलेगा।

ईमानदारी महंगा शौक है, जीवनभर साथ रखें

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि सिविल सेवा, डॉक्टर या इंजीनियर बनने से पहले यह समझें कि किस उद्देश्य से सेवा करना चाहते हैं। गरीब और जरूरतमंद की सेवा की प्रेरणा से जाएंगे तो यह भाव स्थायी रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया और नशे से दूर रहने, अनुशासन बनाए रखने की सलाह दी। कहा कि ईमानदारी महंगा शौक है, जिसे जीवनभर साथ रखें। अभिभावकों से बच्चों की तुलना न करने और दोस्ती का व्यवहार रखने को कहा।

10-10 हजार से सम्मानित

डॉ. भीमराव अंबेडकर की स्मृति में कक्षा 12वीं में जिला प्रावीण्य सूची में स्थान पाने वाले सुरगी के गजेन्द्र साहू और कक्षा 10वीं में स्थान पाने वाली उपमा सिन्हा को 10-10 हजार रुपये सम्मान राशि दी गई। कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, सचिन बघेल, पूणिर्मा साहू, संतोष अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, विद्यार्थी और अभिभावक मौजूद थे।

पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज का पीएम मोदी पर बयान नारी शक्ति का अपमान: राजेंद्र अरोरा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कांग्रेस से सार्वजनिक माफी की मांग, कहा- विदेश दौरों को 'हनीमून ट्रिप' बताना दुर्भाग्यपूर्ण

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं नगर पालिक निगम भिलाई के पूर्व सभापति राजेंद्र सिंह अरोरा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए बयान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे नारी शक्ति का अपमान बताते हुए कांग्रेस से सार्वजनिक माफी की मांग की।

श्री अरोरा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश की विदेश नीति और अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देने के लिए विश्व के विभिन्न देशों का दौरा कर रहे हैं। इटली प्रवास के दौरान वहां की प्रधानमंत्री से हुई शिष्टाचार भेंट को हनीमून ट्रिप बताना बेहद आपत्तिजनक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि PM मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री को मेलोडी चॉकलेट सौजन्य स्वरूप भेंट की थी, जो दो राष्ट्राध्यक्षों के बीच सांस्कृतिक सद्भाव का प्रतीक है।

कांग्रेस पर पलटवार

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए अरोरा ने कहा, 'जब पंडित जवाहरलाल नेहरू विदेश दौरों पर जाते थे, उस दौर की कई तस्वीरें आज भी सार्वजनिक हैं। कांग्रेस को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी साल में कई बार विदेश जाते हैं, PCC अध्यक्ष को बताना चाहिए कि वे किन कारणों से जाते हैं।

मातृशक्ति का वंदन करने वाला देश है भारत

अरोरा ने कहा, भारत मातृशक्ति का वंदन करने वाला देश है। इटली से आई श्रीमती सोनिया गांधी का भी देश का प्रत्येक नागरिक सम्मान करता है। ऐसे में इटली की महिला प्रधानमंत्री को चॉकलेट भेंट करने पर ऐसी टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि दीपक बैज को अपने बयान के लिए देश की मातृशक्ति और प्रधानमंत्री से सार्वजनिक रूप से क्षमा याचना करनी चाहिए। कांग्रेस को सकारात्मक राजनीति की दिशा तय करनी होगी, वरना पतन से कोई नहीं बचा सकता।

बागरेकसा धान उपार्जन केंद्र में 52.57 लाख के धान का गबन

फर्जी सूखत दिखाकर 1696 क्विंटल धान की अफरा-तफरी, प्रबंधक-ऑपरेटर पर कार्रवाई शुरू

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

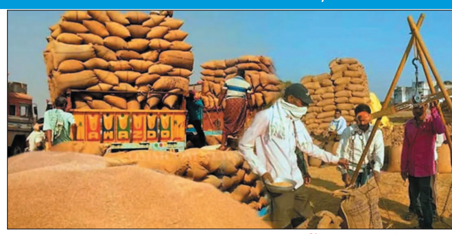

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशन में डोंगरगढ़ विकासखंड के बागरेकसा धान उपार्जन केंद्र में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम के औचक निरीक्षण में 52 लाख 57 हजार 786 रुपये मूल्य के 1696.06 क्विंटल धान का गबन पाया गया। समिति प्रबंधक और डाटा एंट्री ऑपरेटर ने रिकॉर्ड में हेराफेरी कर घोटाले को अंजाम दिया।

कैसे हुआ खुलासा

जांच दल ने केंद्र प्रभारी नीलकंठ साहू और ऑपरेटर ओम कुमार यादव की मौजूदगी में भौतिक सत्यापन और रिकॉर्ड मिलान किया। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में केंद्र ने 164169 बोरियों में 65627.60 क्विंटल धान खरीदा था। इसमें से 29501.46 क्विंटल राइस मिलर्स को और 34430.08 क्विंटल संग्रहण केंद्रों को भेजा गया। कुल 63931.54 क्विंटल धान का प्रदाय हुआ। ऑनलाइन रिकॉर्ड के अनुसार 1696.06 क्विंटल धान केंद्र में शेष होना चाहिए था, लेकिन भौतिक सत्यापन में एक किलो भी धान नहीं मिला।

फर्जी सूखत का खेल

प्रबंधक और ऑपरेटर ने गायब धान को सूखत बताया। उन्होंने माना कि मिलर्स को धान देते समय रैंडम वजन नहीं किया गया। जांच में सामने आया कि धर्मकांटा के वास्तविक वजन की एंट्री न कर काल्पनिक आंकड़े ऑनलाइन डाले गए। हर वाहन में प्रति बोरा 2 किलो की फर्जी कमी दर्ज की गई। 875 बोरों वाले वाहनों में 17.50 क्विंटल, 800 बोरों में 16 क्विंटल, 700 बोरों में 14 क्विंटल, 600 बोरों में 12 क्विंटल और 500 बोरों में 10 क्विंटल की मनगढ़ंत कमी दिखाई गई।

संग्रहण केंद्रों में सही एंट्री, मिलर्स को भेजे धान में हेराफेरी

जांच दल ने पाया कि संग्रहण केंद्रों को भेजे गए धान की जावक पर्चियों में वास्तविक वजन दर्ज था। लेकिन राइस मिलर्स को भेजे धान में जानबूझकर प्रति बोरा 2 किलो की काल्पनिक कमी दिखाकर 1696.06 क्विंटल धान कागजों पर गायब कर दिया गया। इस गंभीर वित्तीय धोखाधड़ी और शासकीय संपत्ति के गबन के मामले में समिति प्रबंधक नीलकंठ साहू, ऑपरेटर ओम कुमार यादव और अन्य संलिप्त कर्मचारियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

स्वदेशी से ही बनेगा भारत आर्थिक महाशक्ति : प्रदेश महामंत्री भसीन

व्यापारी महाधिवेशन, जीएसटी और विकसित भारत 2047 पर हुआ मंथन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, राजनांदगांव की ओर से जिला स्तरीय व्यापारी महाधिवेशन का आयोजन पेंड्री स्थित राज इंपीरियल में किया गया। महाधिवेशन में व्यापार, उद्योग, जीएसटी, स्वदेशी अभियान और विकसित भारत 2047 पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रदेशभर से व्यापारी प्रतिनिधि, उद्योगपति और संगठन पदाधिकारी शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह रहे। अध्यक्षता प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद संतोष पांडेय मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष कमलेश बैद ने अतिथियों का स्वागत किया।

स्वदेशी आत्मनिर्भर भारत का आधार

प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार स्वदेशी अपनाने की अपील कर रहे हैं।

देश का धन देश में रहेगा, भारतीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय व्यापारी मजबूत होंगे, तभी भारत वास्तविक आर्थिक महाशक्ति बनेगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी सिर्फ अभियान नहीं, आत्मनिर्भर भारत का आधार है। छोटे व्यापारी, स्टार्टअप्स और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देकर ही विकसित भारत 2047 का संकल्प पूरा होगा।

पारदर्शी व्यापारियों को डरने की जरूरत नहीं

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जीएसटी पर कहा कि जो व्यापारी पारदर्शिता और नियमों के साथ काम कर रहे हैं, उन्हें डरने की जरूरत नहीं है। कार्रवाई सिर्फ गलत तरीके अपनाने वालों पर होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सरल व्यापारिक वातावरण बनाने के लिए काम कर रही है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में व्यापारी वर्ग की भूमिका अहम है। उन्होंने व्यापारियों से संगठित होकर प्रदेश के विकास में भागीदारी का आह्वान किया। महाधिवेशन में जीएसटी सरलीकरण, उद्योग विस्तार, डिजिटल व्यापार और स्थानीय बाजारों की चुनौतियों पर भी चर्चा हुई।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100